हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि ने इसका खुलासा चार साल पहले 12 दिसंबर 2021 को किया था

जिला निर्वाचन आयोग के ईआरओ ने जांच दल गठित कर कराई जांच, एक-एक वोटर की पहचान

किसी जगह 22 तो कहीं 88 मतदाताओं का एक ठिकाना जनगणना में एड्रेस लिखने में हुई गलती

गाजीनगर वोटर लिस्ट बड़ा खुलासा, जनगणना के दौरान घर नहीं थे इसलिए सैकड़ों वोटरों ने दे दिया एक ही पता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर जिला अंतर्गत बिरगांव नगर निगम क्षेत्र के गाजीनगर की मतदाता सूची में मिली गड़बड़ी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जिला निर्वाचन आयोग द्वारा जांच दल गठित कर इसकी जांच कराई गई है, जिससे पता चला कि है कि पूर्व में हुई जनगणना के दौरान गाजी नगर के सैकड़ों वोटरों के पास खुद का घर ▶▶शेष पेज 7 पर

95 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं को ढूंढ निकाला

इस क्षेत्र के ईआरओ एवं एसडीएम नंदकुमार चौबे ने बताया कि एसआईआर के दौरान गाजी नगर में कुछ मकानों में बड़ी संख्या में वोटरों का एक ही पता दर्ज होना पाया है। इसके तहत गाजी नगर में इन वोटरों का पता लगाने के लिए ▶▶शेष पेज 7 पर

बीएलओ ने हरिभूमि की मौजूदगी में की एक परिवार के तीन वोटरों की पहचान

गाजी नगर में बीएलओ घर-घर जाकर वोटरों की पहचान कर रहे हैं। इस दौरान बीएलओ मंजू देवांगन एवं वंदना पाठक ने हरिभूमि की टीम की मौजूदगी में एक घर में जाकर एक ही परिवार के तीन वोटरों की पहचान की। इन वोटरों के नाम कयामुद्दीन कंसूरी, हाजरा खातून एवं रैहाना खातून हैं। इन वोटरों ने बताया कि जिस मकान में पहले वे किराए में रहते थे, उसका ▶▶शेष पेज 7 पर

22 वोटरों ने एक मकान का दिया था पता, सभी मिले

गाजी नगर में एक मकान में 22 वोटरों का एक ही पता है, जबकि इस मकान में 7 लोग ही रहते मिले। पूछताछ पर पता चला कि इस मकान का मालिक अपना एक मकान किराए पर देता है। पिछले कई वर्षों में उसके मकान में कई किराएदार रहकर अपना ठिकाना बदल चुके हैं। जांच टीम ने इन सभी वोटरों का पता लगाकर उन्हें फार्म-8 उपलब्ध करा कर पता बदलाने के लिए कहा है। इन 22 वोटरों में अब्दुल हमीद, हमीद अली, शमीम खान, रईश खान, गुलशन खातून, सुल्तान अंसारी, यासमीन परवीन, वाजदा तबसुम, शमा परवीन, शबाना परवीन, नाजिया परवीन, मो. अकराम मानसुरदी, साईना नाज, मो. तौहीद अंसारी, कमूंद खान, मो. कय्याज अंसारी, पंकज साहू, मो. अकबर , मो. नासिर खान, राजेश वर्मा, मो. रियाजुद्दीन एवं मो. फैयाज अंसारी शामिल हैं।

जांच रिपोर्ट आना बाकी

गाजी नगर वोटरों की गड़बड़ी की जांच अभी चल रही है। इस जांच में अभी भी कई वोटरों का पता नहीं चला है, जिनका पता एक ही मकान में वाली मतदाता सूची में दर्ज है। सूत्रों की मानें तो कई वोटर गाजी नगर छोड़कर जा चुके हैं, जिनके द्वारा ▶▶शेष पेज 7 पर

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹105205/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹128490/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹140259/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

राम मंदिर में वर्षगांठ पर अनुष्ठान शुरू

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर पूजा अनुष्ठान शनिवार को शुरू हो गए। प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ का मुख्य कार्यक्रम 31 दिसंबर को होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि होंगे। ये अनुष्ठान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ के नेतृत्व में बेंगलुरु विद्यापीठ से आए 15 वैदिक विद्वानों की उपस्थिति में किए जा रहे हैं।

तमनार में बलवा : शांति से चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन दंगे में हो गया तब्दील

महिला टीआई को सड़क पर घसीटा एसडीएम की कार और बस को फूंका

जनसुनवाई का विरोध कर रहे ग्रामीणों की गिरफ्तारी के बाद फूटा जनाक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

20 दिनों से तमनार के सीएचपी चौक में जनसुनवाई रद्द करने शांति से चल रहा आंदोलन शनिवार को अचानक करीब दो बजे बलवा में तब्दील हो गया। विरोध कर रहे ग्रामीण महिलाओं और पुरुषों की जबरदस्ती गिरफ्तारी करने पुलिस ने बल प्रयोग किया। ग्रामीण महिलाओं का गुस्सा इस कदर भड़का कि उन्होंने तमनार की महिला टीआई कमला पुसाम की सड़क पर घसीट-घसीट कर लात और घूसों से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं उन्होंने एसडीएम की कार, बस और एक ▶▶शेष पेज 7 पर

बेकाबू भीड़ को काबू करने पुलिस ने जमकर लाठी भांजी

क्षेत्र में तनाव का माहौल, मीडिया की भी एंट्री बंद

इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल व्याप्त है। ग्रामीण इतने आक्रोशित हैं कि वो जल-जंगल-जमीन के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। इतना ही नहीं है घटना स्थल पर मीडिया को भी जाने नहीं दे रहे हैं। जिससे आगे के हालात और तनावपूर्ण नजर आ रहा है। घटना स्थल पर एसपी व प्रशासनिक अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे। इस मामले को लेकर एसपी दिव्यांग पटेल से उनके सरकारी नंबर पर फोन करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन काट दिया।

एसडीओपी, टीआई सहित कई पुलिसकर्मी घायल

रायगढ़ जिले के ग्राम लिबरा के सीएचपी चौक पर उग्र भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें एसडीओपी, टीआई सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। इस संबंध में पुलिस द्वारा जारी बयान में बताया गया कि 8 दिसंबर 2025 को भौराभाठा में हुई जनसुनवाई के विरोध में सेक्टर 1 कोल ब्लॉक के अंतर्गत प्रभावित 14 ग्रामों के ग्रामवासी द्वारा 12 दिसंबर 2025 से धरने पर बैठे हैं। इस पर शनिवार को सुबह 9 बजे के आस-पास ▶▶शेष पेज 7 पर

बंद कमरे से मिली सड़ी-गली लाश

20 दिनों तक मां के शव के साथ रहा कलयुगी बेटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिले के कुनकुरी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बेटे ने अपनी मां की मौत के बाद शव को कमरे में बंद रखा और करीब 20 दिनों तक किसी को इसकी भनक नहीं लगने दी। मकान से उठती असहनीय दुर्गंध ने पड़ोसियों को परेशान कर दिया, तब जाकर सच्चाई सामने आई।

घटना कुनकुरी के रेमते रोड स्थित दिलीप कुमार कुजूर के मकान की है। पहली मंजिल पर सबीना खलखो (65) अपने 25 वर्षीय बेटे प्रवीण खलखो के साथ दिसंबर 2021 से किराए पर रह रही थी। पिछले कुछ ▶▶शेष पेज 7 पर

शराब का आदी है बेटा

स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रवीण अविवाहित है और आदतन शराबी है। पुलिस जांच कर रही है कि नशे के कारण उसने सूचना नहीं दी या फिर मौत के पीछे कोई साजिश है। आरोपी बेटे को हिरासत में लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस लापरवाही और संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के कोण से जांच कर रही है।

हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

मकान मालिक की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया है। बेटा 20 दिनों से शव के साथ रह रहा था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और हर पहलू से जांच जारी है। - **राकेश यादव**, थाना प्रभारी, कुनकुरी

हरिभूमि

अलविदा 2025

खेल में रिकॉर्ड टूटे और गोल्ड बरसे

2025 भारत के लिए खेलों के लिहाज से इतिहास रचने वाला वर्ष रहा। व्यक्तिगत स्तर पर कई उपलब्धियों ने भारतीय खेल को वैश्विक पहचान दिलाई। साथ ही टीम इंडिया ने ICC चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। ये उपलब्धियां न सिर्फ आज बल्कि आने वाले वर्षों में भारत को खेल की दुनिया में ऊंचा स्थान देती रहेंगी। साल 2025 भारतीय खेल इतिहास के उन खास वर्षों में शामिल हो गया, जब देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। इसके साथ ही शतरंज में डी. गुकेश और दिव्या देशमुख जैसे युवा सितारों ने भारत को नई पहचान दिलाई, जबकि नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में एक बार फिर देश का परचम लहराया। पैरा-स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

2025 एशियन यूथ गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन

भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 गोल्ड, 18 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले। भारतीय युवा एथलीट्स ने कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन दिखाया।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में गोल्ड

2025 में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी गोल्ड था। टीम में ऋषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

भारतीय महिला टीम पहली बार बनी वर्ल्ड चैंपियन

2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास, संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखी, जबकि युवा खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह खिताबी जीत न सिर्फ एक ट्रॉफी थी, बल्कि महिला क्रिकेट को बराबरी, पहचान और सम्मान दिलाने वाला पल भी साबित हुई, जिसने देशभर में लाखों लड़कियों को खेल के मैदान तक पहुंचने का सपना दिखाया।

विश्व मुक्केबाजी में दिखा भारत का दम

ग्रेटर नोएडा में आयोजित 2025 के विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल्स में जैस्मिन लैंबोरिया ने महिला 57 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसके अलावा नुपुर सेरोन ने +80 किग्रा में सिल्वर हासिल किया, जिससे यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास के कुछ सबसे सफल अभियानों में से एक बन गया। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में भारत ने कुल 20 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

भारत की गौरव बनीं तीरंदाज शीतल देवी

पैरा-तीरंदाज शीतल देवी ने वर्ल्ड टाइटल जीतकर देश का मान बढ़ाया। इतना ही नहीं, शीतल ने इतिहास रचते हुए जेद्दा में होने वाले एशिया कप (चरण तीन) के लिए भारत की सक्षम जूनियर टीम में जगह बना ली। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि शीतल अब उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं जो पैरालंपिक के साथ-साथ सक्षम (सामान्य) प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले रही हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में चला भारतीय टीम का जादू

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने जीता टी20 विश्व कप का खिताब

2025 में भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा।

महिला खो-खो विश्व कप 2025 में जीता विश्व खिताब

भारतीय महिला खो-खो टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपनी झोली में डाला। ढाका में हुए फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर यह उपलब्धि भारतीय पारंपरिक खेल की वैश्विक वृद्धि को दर्शाती है।

वर्ल्ड कप शूटिंग : भारत का पहला गोल्ड

20 साल के सम्राट राणा ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैम्पियनशिप गोल्ड जीता। यह भारत के लिए शूटरिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था और इस युवा खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

साल 2025 की बड़ी राजनीतिक घटनाएं जिन्होंने भारत की राजनीति को झकझोर दिया

साल 2025 भारतीय राजनीति के लिए उथल-पुथल और बड़े फैसलों का साल रहा। आतंकवाद पर करारा जवाब देने वाले ऑपरेशन सिंदूर से लेकर चौंकाने वाले चुनावी नतीजे, वक्फ कानून, उपराष्ट्रपति का इस्तीफा, वोट-चोरी विवाद और न्यायपालिका से जुड़े सवालों तक- हर घटना ने देश की राजनीति को झकझोर दिया। इन फैसलों का असर आने वाले सालों तक दिखेगा।

ऑपरेशन सिंदूर : जब देश एक सुर में बोला

2025 की सबसे बड़ी और निर्णायक घटना ऑपरेशन सिंदूर रही। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर बड़ा एक्शन लिया। 6 और 7 फरवरी की रात हुई इस कार्रवाई में 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। यह उरी और बालाकोट के बाद भारत की तीसरी बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक थी। खास बात यह रही कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, इस मुद्दे पर देश एकजुट नजर आया। बाद में सीजफायर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे ने नई बहस छेड़ दी, लेकिन भारत सरकार ने किसी भी बाहरी मध्यस्थता से साफ इनकार कर दिया।

दुनिया में भारत की बात डिप्लोमैटिक स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर भी आक्रामक रुख अपनाया। अलग-अलग दलों के सांसदों की टीम बनाकर उन्हें विदेश भेजा गया, ताकि भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखा जा सके। हालांकि, कांग्रेस नेता शशि थरूर का सरकार के पक्ष में खुलकर खड़ा होना उनकी पार्टी को रास नहीं आया। यह घटना दिखाती है कि विदेश नीति के मुद्दे पर राजनीति कितनी जटिल हो चुकी है।

वक्फ संशोधन कानून: सुधार या विवाद?

अप्रैल 2025 में लागू हुआ वक्फ (संशोधन) अधिनियम एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बना। सरकार ने इसे पारदर्शिता और सुधार की दिशा में कदम बताया, जबकि विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दाखिल हुईं, लेकिन अदालत ने कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। नए प्रावधानों ने वक्फ बोर्ड की शक्तियों और संरचना में बड़ा बदलाव किया।

ट्रंप टैरिफ और विदेश नीति की परीक्षा

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने से विदेश नीति पर बहस तेज हो गई। वजह बताई गई भारत का रूसी तेल आयात। विपक्ष ने इसे मोदी-ट्रंप दोस्ती की विफलता बताया, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर भारत को खास नुकसान नहीं हुआ. उल्टा, साल के अंत तक निर्यात में बढ़ोतरी और रूसी तेल आयात में कमी देखी गई, जिससे सरकार को राहत मिली।

वोट चोरी और न्यायपालिका पर सवाल

एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार से शुरू हुआ विवाद पूरे देश में फैल गया। राहुल गांधी ने इसे 'वोट चोरी' करार देते हुए बड़ा अभियान छेड़ा। इसी साल न्यायपालिका भी कई विवादों में घिरी, कभी सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की घटना, तो कभी हाई कोर्ट के जजों पर लगे गंभीर आरोप। इन घटनाओं ने न्यायिक व्यवस्था की छवि और उसकी निष्पक्षता पर बहस छेड़ दी।

रायपुर
रविवार 28 दिसंबर 2025
पौष शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 24, अंक : 159
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 27.1
न्यून. 12.4

गरीबों को भी नहीं छोड़ा, मोर आवास बनाने के लिए 187 करोड़ रुपए ज्यादा वसूले, मकान भी दूसरों को अलॉट

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

पीएम आवास योजना के एक घटक मोर मकान मोर आस योजना के क्रियान्वयन में एक बड़ी गड़बड़ी सीएजी ने पकड़ी है। हुआ ये है कि हितग्राहियों से उनके हिस्से के अंशदान से अधिक 187 करोड़ रुपयों से अधिक की राशि वसूल ली गई है। खास बात ये है कि जो राशि सरकार को राज्यांश के रूप में देनी थी, वह राशि हितग्राहियों से वसूल ली गई। यह योजना फरवरी ▶▶|शेष पेज 7 पर

अलग खबर

गरीबों को लिए बनी योजना

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग परिवारों को 3 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। भागीदारी में किफायती आवास घटक के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हितग्राहियों को 1.50 लाख केंद्रीय सहायता तथा 2.50 लाख रुपए की राज्य सहायता प्रदान करके लाभ प्रदान करता है और हितग्राही को प्रत्येक आवासीय इकाईयों के लिए केवल 75 हजार रुपए लाख का अंशदान देना तय था।

- मकान भी दूसरों को दे दिए गए,योजना का उद्देश्य विफल
- सीएजी की रिपोर्ट से हुआ खुलासा, सामने आई गड़बड़ी

गरीबों की जगह दूसरों को मिला फायदा

सीएजी की लेखापरीक्षा में पाया गया कि स्लम निवासियों के लिए भागीदारी में किफायती आवास के तहत स्वीकृत आवासीय इकाईयों का आवंटन गैर-स्लम निवासियों को लाभ देने के लिए बुनियादी पात्रता मानदंडों को संशोधित करके मोर मकान मोर आस के तहत आवंटित किया गया था। इस प्रकार, स्लम निवासियों को स्थानांतरित करने की योजना का मुख्य उद्देश्य विफल हो गया क्योंकि स्लम निवासियों के लिए भागीदारी में किफायती आवास के तहत स्वीकृत आवासीय इकाईयों का 59 प्रतिशत गैर-स्लम निवासियों को व्याप्वर्तित ▶▶|शेष पेज 7 पर

ये है सीएजी रिपोर्ट में सामने आए तथ्य

मोर मकान मोर आस' दिशानिर्देशों की आगे की जांच से सीएजी को पता चला कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के अनुसार मानक 75 हजार रुपए हितग्राही अंशदान के स्थान पर हितग्राहियों को प्रति आवासीय इकाईयों 3 लाख 25 हजार (राज्य के हिस्से के ढाई लाख सहित) का भुगतान करना आवश्यक था। हालांकि, आवासीय इकाईयों की लागत 2.98 लाख से 3.87 लाख रुपए के बीच थी। इसके अतिरिक्त, योजना के दिशा निर्देश राज्य स्तरीय स्वीकृति और निगरानी समिति को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए थे, और न ही केंद्रीय स्वीकृति और निगरानी समिति से अनुमोदन प्राप्त किया गया था। पीएम आवास योजना शहरी की भागीदारी में किफायती आवास घटक के अंतर्गत स्वीकृत 29 हजार 142 आवासीय इकाईयों में से 18 हजार 131 आवासीय इकाईयों को पूर्ण किया गया था। इनमें से मार्च 2025 तक शहरी स्थानीय निकायों द्वारा मोर मकान ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय पैनल देखें
TATA PLAY पैनल नं. 1155 | airtel पैनल नं. 366

अब सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस, राहुल बोले- फैसला नोटबंदी जैसा विनाशकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के कोटला मार्ग स्थित नए कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में शनिवार को कांग्रेस कार्य समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए इसके खिलाफ 5 जनवरी 2026 से देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ आंदोलन' शुरू करने की घोषणा की है। राहुल ने मनरेगा का नाम बदलने को नोटबंदी जैसा विनाशाकारी फैसला बताया।

कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विषय पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति के तहत आगामी पांच जनवरी से देशव्यापी स्तर पर 'मनरेगा बचाओ ▶▶|शेष पेज 7 पर

» कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में मनरेगा का नाम बदलने पर नाराजगी

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल ने की संयुक्त प्रेस वार्ता

मनरेगा की जगह वीबी जी रामजी विधेयक

संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच बीते 18 दिसंबर को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को मंजूरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद अब यह अधिनियम बन चुका है। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा।

बांग्लादेश में हमले पर जताई चिंता

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बैठक में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की और कहा कि इससे पूरा भारत चिंतित है। खरगे ने अध्यक्षीय संबोधन में आरोप लगाया कि मनरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' बनाकर नरेन्द्र मोदी सरकार ने 'गरीबों की पीठ में छुरा घोंपा' है।

राहुल ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

कार्यसमिति की बैठक के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं थी, बल्कि यह काम के अधिकार पर आधारित एक विचार था। मोदी सरकार अधिकारों के विचार और संघीय ढांचे पर हमला कर रही है।

इधर, दिग्गी की पोस्ट पर बवाल

कांग्रेस वर्किंग कमिटी कि बैठक चल रही थी। इसी दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसके बाद से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दिग्विजय सिंह ने एक तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा है कि **Quora site** पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयं सेवक व जनसंघ <\@>बीजेपी 4 इंडिया का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना।

प्रधानमंत्री समर्पित कार्यकर्ता

विजय कुमार सिन्हा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। पीएम मोदी का लक्ष्य 21वीं सदी के भारत और स्वामी विवेकानंद के सपनों को साकार करना है।

भूकंप की तीव्रता 4.0

चरचा कॉलरी में महसूस किए गए भूकंप के झटके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुंठपुर

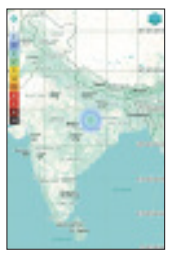

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के निकट कोयलांचल चरचा कॉलरी में 26 दिसंबर की रात्रि में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, इससे किसी तरह के नुकसान नहीं हुआ। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने भूकंप की तीव्रता 4.0 दर्ज की गई, जिसकी गहराई जमीन से 15 किमी गहराई में बताया जा रहा है।

मौसम कार्यालय अंबिकापुर के मौसम विज्ञानियों ने पुष्टि की है। मिली जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर की रात्रि 9 बजकर 30 मिनट 21 सेकंड पर कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से करीब 10 किमी दूर प्रमुख कोयलांचल चरचा कॉलरी में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता सिस्मोग्राफ में 4 दशमलव 0 तीव्रता दर्ज की गई। भूकंप का केन्द्र 70 किमी दूर अंबिकापुर क्षेत्र में ▶▶|शेष पेज 7 पर

दहशतजदा रहे रहवासी

चरचा कॉलरी निवासी मुकेश यादव ने बताया कि बीती रात्रि करीब 9:40 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इससे कुछ देर के लिए मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

खबर संक्षेप

अभिनेता सलमान खान ने मनाया 60वां जन्मदिन

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान ने पनवेल स्थित अपने फार्महाउस पर अपना 60वां जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाया। इस मौके पर अभिनेता संजय दत्त, आदित्य रॉय कपूर और क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी भी मौजूद रहे।

बेटों ने माता-पिता की हत्या कर खुदकुशी की

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की जांच में पता चला है कि दो भाइयों ने घर पर अपने माता-पिता का गला घोंटने के बाद ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। यह हत्या और आत्महत्या की घटना आर्थिक तंगी के कारण घटित हुई है।

सबरीमला में मंडला पूजा पहुंचे हजारों श्रद्धालु

सबरीमला। वार्षिक तीर्थयात्रा के 41 दिन लंबे पहले चरण के समापन के अवसर पर पवित्र सबरीमला पर्वत पर भगवान अयप्पा मंदिर में आयोजित मंडला पूजा में शनिवार को हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। औपचारिक शोभा यात्रा के जरिए मंदिर परिसर लाई गई पवित्र स्वर्ण पोशाक 'थंका अंकी' भगवान को धारण कराए जाने के बाद मंडला पूजा की गई।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, चार की मौत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में शनिवार शाम तेज रफ्तार एक कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई, जिससे वाहन में सवार दो भाइयों समेत चार युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मनीष (26), विजय (28), जगदीश (27) और सोनू (29) के रूप में हुई। बेहट थानाक्षेत्र के मां शाकंभरी रोड पर यह हादसा हुआ।

पुलिस मुखबिरी का संदेह

घर में घुसकर समर्पित नक्सली की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत को अंजाम देते हुए अपने ही पुराने साथी को मौत के घाट उतार दिया है, जिसने पूर्व में समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आम जीवन जी रहा था, जो नक्सलियों को रास नहीं आया और उसे कुल्हाड़ी से मारकर निर्मम हत्या कर दी। मामला बीजापुर जिले के अंतिम गांव पामेड़ थाना क्षेत्र के एर्रापल्ली का है।

26 दिसंबर की रात नक्सली एर्रापल्ली निवासी पुनेम बुधरा के घर पर पहुंचे ▶▶|शेष पेज 7 पर

मामले की पुलिस कर रही जांच

बीजापुर एसपी डॉ जितेन्द्र यादव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पामेड़ थाना इलाके की ये घटना है। 26 दिसंबर को रात लगभग 10 बजे कुछ नकाबपोश लोग ग्राम एर्रापल्ली निवासी पूनेम बुधरा पिता जोगा (22) के हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर किया था समर्पण

जानकारी के मुताबिक पुनेम बुधरा पूर्व में माओवादी था तथा समर्पण करने के बाद सामान्य जिंदगी बसर कर रहा था। वह छग शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुआ था। पुनेम के समर्पण के बाद उसके परिजन भी खुश थे। हत्या के बाद से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई लोगों में खौफ के साथ ही नक्सलियों के खिलाफ आक्रोश है।

डीजीसीएम को सौंपी रिपोर्ट

इंडिगो संकट का सच जल्द आएगा सामने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में पिछले कुछ हफ्तों से जारी परिचालन संकट की जांच करने वाली चार सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट विमानन नियामक डीजीसीए को सौंप दी। हालांकि रिपोर्ट को 'कॉन्फिडेंशियल' रखा गया है और इसके प्रमुख निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच समिति ने शुक्रवार शाम अपनी रिपोर्ट जमा की, जिसकी कॉपी नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और सचिव समीर कुमार सिन्हा के कार्यालयों को भी भेजी गई हैं।

अधिकारी के मुताबिक, कमेटी ने इंडिगो संकट की जमीनी वजहों और भविष्य में ऐसी समस्या ना हो इसलिए, बचाव के तरीकों पर भी विश्लेषण किया है।

क्या है मामला

गौरतलब है कि दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो के नेटवर्क में भारी व्यवधान देखने को मिला। एक ही दिन में 1600 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई और उड़ानें घंटों विलंब से रवाना हुईं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी। डीजीसीए ने इसे एयरलाइन की 'आंतरिक निगरानी, ऑपरेशन तैयारी और अनुपालन योजना में गंभीर खामी' बताया।

रायपुर सहित प्रमुख शहरों में रेल संचालन क्षमता होगी दोगुनी

साय बोले- छत्तीसगढ़ के यात्रियों को बड़ा तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय रेलवे द्वारा अगले पांच वर्षों में देश के 48 प्रमुख शहरों में रेलगाड़ियों की संचालन क्षमता को दोगुना करने की जो महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई है, उसमें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर को भी शामिल किया गया है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के करोड़ों यात्रियों के लिए बड़ा तोहफ़ा ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियां होंगी सुदृढ़

साय ने पीएम-रेलमंत्री का जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व रेल परियोजनाओं की सौगात मिली है। ये परियोजनाएं राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी और जनता को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

अल-कायदा बढ़ा रहा भारत में अपना प्रभाव निकाला है नया तरीका

डिजिटल तरीके से चलने वाले कट्टरपंथी मॉडल पर किया है फोकस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में आतंकी हमले के बाद से आतंकियों के वाइट कॉलर मॉड्यूल को लेकर सुरक्षा एजेंसियां चौकन्ना हो गई हैं। इस बीच खबर है कि भारत में आतंकी संगठन अल-कायदा नेटवर्क भी अपने मॉड्यूल शिफ्ट कर रहा है। अल-कायदा भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए डिजिटल तरीके से चलने वाले कट्टरपंथी मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

संगठन त्वरित हिंसा की बजाय वैचारिक प्रभाव को अधिक प्राथमिकता दे रहा है। भारत में जिस तरह से युवाओं में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ी है, ऐसे में आतंकी संगठन ऑनलाइन आजादी का इस्तेमाल अपनी लॉन्ग टर्म प्लानिंग के लिए कर रहा है।

त्वरित हिंसा की बजाय वैचारिक प्रभाव को दे रहा प्राथमिकता

भारत में आतंक फैलाने का निकाला है नया तरीका

जुबैर की गिरफ्तारी से मिली जानकारी

अक्टूबर 2025 में, पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) ने 35 साल के सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर को गिरफ्तार किया था। जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन, अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) से कथित रूप से जुड़ा था। उसकी गिरफ्तारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत की गई थी। एक रिपोर्ट में जांचकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि हंगरगेकर के डिजिटल फुटप्रिंट गहरे वैचारिक कट्टरपंथ की ओर इशारा करता है। इसमें एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन, आर्काइव किया गया प्रोपेगेंडा मटेरियल, और कई क्लोज्ड ग्रुप्स में उसकी संलिप्तता सामने आई है। अधिकारियों को यह भी पता चला कि वह खास टूल्स और विदेशी आईपी रूटिंग का इस्तेमाल कर रहा था। इनमें से कुछ अफगानिस्तान और हांगकांग से जुड़े थे। इसके बाद और गहरी फोरेंसिक जांच की गई। इन नतीजों के आधार पर, पुणे एटीस ने गिरफ्तारी से पहले उसे चुपके से निगरानी में रखा था।

एक चिंताजनक पैटर्न

रिपोर्ट के अनुसार टॉप इंटेलिजेंस अधिकारियों का कहना है कि हंगरगेकर की प्रोफाइल दूसरे हालिया गिरफ्तारियों में देखे गए एक चिंताजनक पैटर्न से मिलती है। इसमें जम्मू-कश्मीर मूल के आतंकी मॉड्यूल से जुड़े डॉक्टर भी शामिल हैं। दोनों तरह के मामले एक वाइट-कॉलर, डिजिटल रूप से कट्टरपंथी रंगरूट के उदय को उजागर करते हैं। इसमें ऐसे लोग सामने आ रहे हैं जो पढ़े-लिखे, सम्मानित है। इनका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। ये लोग पारंपरिक आतंकवाद विरोधी निगरानी सीमाओं से नीचे काम कर रहे हैं। एजेंसियों का कहना है कि यह कोई संयोग नहीं है। अल-कायदा जानबूझकर ऐसे व्यक्तियों की ओर आकर्षित हो रहा है जिनके पास पेशेवर वैधता, विश्वसनीयता और नेटवर्क तक पहुंच है। इन रंगरूटों के बारे में माना जाता है कि उन पर शक होने की संभावना कम है। इस तरह के लोग चुपचाप बातचीत करने में अधिक सक्षम हैं। इसके अलावा, क्लोज्ड ग्रुप्स में वैचारिक सामग्री पहुंचाने में अधिक प्रभावी हैं।

यह है अल-कायदा का प्लान

रिपोर्ट में इंटेलीजेंस के हवाले से लिखा गया है कि अल-कायदा भारत को तुरंत ऑपरेशनल इस्तेमाल के लिए नहीं, बल्कि एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के तौर पर देखता है, जहां वह नैरेटिव गढ़ सकता है। अपने लिए हमदर्द पैदा कर सकता है और धीरे-धीरे अलग-थलग ऑनलाइन कम्युनिटी बना सकता है। यह तरीका ग्रुप से जुड़े लोगों को जल्दी पकड़े जाने से बचाता है। साथ ही, धीरे-धीरे वैचारिक मजबूती से असर डालना, ऐसे रंगरूट तैयार करना में मदद करता है जो बाहरी तौर पर 'नॉर्मल' और समाज में घुले-मिले दिखें। इसके अलावा खुली मिलिटेंसी के बजाय पढ़े-लिखे लोगों की विश्वसनीयता पर भरोसा करना।

महाराष्ट्र का सियासी रण

पुणे में ठाकरे ब्रदर्स के साथ कांग्रेस की दोस्ती, मुंबई में किया किनारा

इस चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण हो गए हैं उलट-पुलट

बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट

बीएमसी और पीएमसी चुनाव में तीन गठबंधन आजमा रहे किस्मत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र में हो रहे बीएमसी सहित 29 नगर निगम चुनाव में गठबंधन के सारे समीकरण को उलट-पुलट कर रख दिया है। बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी दोनों में टूट पड़ गई है। इस तरह राज्य में एक नया तीसरा गठबंधन भी आकार लेता दिख रहा है।

बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ अपनी दोस्ती बनाए रखी तो अजित पवार की एनसीपी से किनारा कर लिया। ऐसे में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से हाथ मिला लिया है। मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन पर महायुति से अलग होने वाले कांग्रेस ने पुणे उसी ठाकरे ब्रदर्स के साथ हाथ मिला लिया है। मुंबई का नगर निगम, जिसे बीएमसी के नाम से जाना जाता है। इसी तरह के पुणे नगर निगम को पीएमसी के नाम से जाना जाता है। इन दोनों बड़े शहरों में तीन-तीन गठबंधन चुनावी मैदान में किस्मत आजमा रहे हैं।

ठाकरे ब्रदर्स के साथ आई कांग्रेस

इधर, पुणे में बीजेपी और शिंदे का तो अजित पवार का शरद पवार के साथ बनती सियासी केमिस्ट्री को देखते हुए कांग्रेस ने ठाकरे ब्रदर्स के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है जबकि मुंबई के बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन से कांग्रेस ने किनारा लिया है, लेकिन पुणे के पीएमसी चुनाव में ठाकरे ब्रदर्स के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर रजामंदी दे दी है। पुणे नगर निगम चुनाव में कांग्रेस अब उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ किस्मत आजमाएंगी। महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर तीसरा गठबंधन कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के साथ बनता दिख रहा है। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि पुणे में पार्टी अजित पवार गुट के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

बीजेपी-शिंदे का पहला गठबंधन

महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फड़णवीस के नेतृत्व वाले महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। तीनों ही दल मिलकर 2024 का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन नगर निगम चुनाव में यह दोस्ती बिखर गई है। बीएमसी सहित राज्य के बाकी के नगर निगम चुनाव में बीजेपी ने अजित पवार से किनारा कर लिया है। बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बीएमसी सहित 29 नगर निगम का चुनाव लड़ रही है, लेकिन अजित पवार की एनसीपी इस चुनाव में महायुति का हिस्सा नहीं है।

अजित से नहीं बनी बात, शरद गुट फिर एमवीए में करेगा वापसी

महाराष्ट्र में पुणे महानगरपालिका (पीएमसी) चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) ने अजित पवार गुट के साथ गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद महाविकास आघाड़ी (एमवीए) से फिर वार्ता शुरू कर दी है। पार्टी नेताओं की देर रात तक चली मैराथन बैठकों के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले सात दिनों से दोनों एनसीपी गुटों के बीच पीएमसी चुनाव के लिए संभावित गठबंधन पर चर्चा चल रही थी, लेकिन बातचीत अंततः असफल रही। सूत्रों का कहना है कि अजित पवार ने जोर दिया कि शरद पवार गुट के समर्थित उम्मीदवार केवल 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ें। साथ ही उन्होंने एनसीपी-एसपी की 68 सीटों की मांग भी खारिज कर दी।

गोपनीय जानकारी की थी साझा

अमेरिका में रूसी राजनयिक को 12 साल की सजा, चलती गाड़ी से उतारकर लगाई हथकड़ी

एजेंसी ▶▶| मॉस्को

रूस की एक अदालत ने 38 वर्षीय अर्सेनी कोनोवोलोव को शुक्रवार को अमेरिका से खुफिया जानकारी साझा करने के आरोप में रूसी अदालत ने 12 वर्ष की सजा सुनाई है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है जिसमें रूसी खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी ब्यूरो (एफएसबी) के अधिकारी आरोपी राजनयिक को एक चलती गाड़ी (वैन) में हथकड़ी लगाते हुए देखे जा सकते हैं। वीडियो में डिप्लोमेट को एक जेल और फिर अदालत के कठघरे में खड़ा देखा जा सकता है।

2024 में हुई थी गिरफ्तारी

शुक्रवार को डिप्लोमेट को सजा सुनाए जाने के बाद एफएसबी ने इस वीडियो को आधिकारिक तौर से रिलीज किया है। कोनोवोलोव को साल 2024 में गिरफ्तार किया था। उन्होंने अमेरिका स्थित रूसी दूतावास में काम किया था। उसी दौरान, आरोपी ने अमेरिका के लिए काम करना शुरू कर दिया। उसने अमेरिका को रूस से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की थी। अमेरिका से रूस लौटने के फौरन बाद एफएसबी ने कोनोवोलोव को धर-दबोचा था।

रूसी डिप्लोमेट कोनोवोलोव और उन्हें अरेस्ट करती एफएसबी

बेलारूस में मिसाइलें तैनात करेगा रूस, यूरोपीय देशों में 'घबराहट'

रूस की वजह से यूरोप के कई देश अपना रक्षा बजट को तेजी से बढ़ा रहे हैं। जानकारी आई है कि रूस अब पूर्वी बेलारूस में एक पुराने एयरबेस पर परमाणु हथियार ले जाने वाली नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका के दो शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट तस्वीरों के अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है। इससे यूरोप की सुरक्षा पर और दबाव बढ़ गया है, स्विटजरलैंड सहित कई देश चिंतित हो उठे हैं। कैलिफोर्निया स्थित मिडलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के जेफ्री लुईस और वर्जीनिया स्थित सीएनए रिसर्च एंड एनालिसिस ऑर्गनाइजेशन के डेकर एवलथ ने प्लानेट लेब नाम की कमर्शियल सैटेलाइट कंपनी की तस्वीरों का विश्लेषण किया है। इन्होंने दावा किया है कि मोबाइल ओरेशनिक मिसाइल लॉन्चर बेलारूस के क्रिचेव शहर के पास स्थित एक पुराने एयरबेस पर तैनात किए जाएंगे।

व्यापमं घोटाला: 12 दोषियों को 5-5 साल की सश्रम कैद की सजा

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित व्यापमं घोटाले से जुड़े एक अहम मामले में इंदौर स्थित सीबीआई की विशेष अदालत (व्यापमं प्रकरण) ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने एमपी पीएमटी-2011 परीक्षा में फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी के मामले में 12 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 6,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। दोषी ठहराए गए आरोपियों में अभ्यर्थी, फर्जी परीक्षार्थी (इम्पर्सोनेटर) और बिचौलिये शामिल हैं। सजा पाने वालों में आशीष यादव उर्फ आशीष सिंह, सत्येंद्र वर्मा, धीरेंद्र तिवारी, बृजेश जायसवाल, दुर्गा प्रसाद यादव, राकेश कुर्मी, नरेंद्र चौरसिया, अभिलाष यादव, खूबचंद राजपूत, पवन राजपूत, लखन धंगर और सुंदरलाल धंगर शामिल हैं।

सीबीआई के अनुसार, दीपक गौतम, जो घटना के समय नाबालिग था, उसके मामले में पहले ही 9 जुलाई 2022 को किशोर न्याय बोर्ड, इंदौर द्वारा किशोर न्याय अधिनियम के तहत जुर्माना और बांड की शर्तों पर कार्रवाई की जा चुकी है।

एक्टर अल्लू अर्जुन समेत 23 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

हैदराबाद। तेलंगाना के चिक्कड़पल्ली पुलिस ने पुष्पा 2 फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ के मामले में 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें अभिनेता अल्लू अर्जुन, उनके निजी बाउंसर और थिएटर स्टाफ के नाम शामिल हैं। 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद के आरटीसी क्रॉस रोड स्थित संध्या थिएटर में पुष्पा 2: द रूल की प्रीमियर स्क्रीनिंग के दौरान अल्लू अर्जुन के आने की अफवाह पर भारी भीड़ उमड़ आई। इससे भगदड़ मच गई, जिसमें रेवती नामक एक महिला की मौत हो गई और उनके 8 वर्षीय बेटे श्रीतेज को गंभीर चोटें आईं, जो अभी भी इलाजरत है। पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट को मुख्य आरोपी ठहराया, क्योंकि अलग एंट्री-एग्जिट न होने और भीड़ नियंत्रण की कमी थी। चिक्कड़पल्ली पुलिस ने लगभग 100 पेज की चार्जशीट नम्पल्ली कोर्ट में दाखिल की, जिसमें थिएटर मैनेजमेंट को आरोपी नंबर 1 बनाया गया। अल्लू अर्जुन आरोपी नंबर 11 हैं, साथ ही उनके प्राइवेट सिक्योरिटी स्टाफ, मैनेजर, 3 मैनेजर और 8 बाउंसर शामिल हैं।

वर्ल्ड रिकॉर्ड : 2 सेकेंड में 700 किमी. स्पीड

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसी मैग्लेव ट्रेन का सफल परीक्षण किया है, जो सिर्फ दो सेकेंड में 700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच गई। यह इतनी तेज है कि आंखों से उसे ठीक से देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। चीन की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने गुरुवार को इस सुपरफास्ट ट्रेन का टेस्ट किया। करीब एक टन वजन वाली इस ट्रेन को 400 मीटर लंबे खास ट्रैक पर चलाया गया। टेस्ट के दौरान ट्रेन ने कुछ ही पलों में रिकॉर्ड स्पीड पकड़ ली और फिर उसे सुरक्षित तरीके से रोक भी दिया गया।

तूफान से 1800 उड़ानें रद्द

न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल घोषित

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

बर्फीले तूफान के चलते वाहनों की आवाजाही में दिक्कत।

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मिडवेस्ट से नॉर्थ ईस्ट अमेरिका तक स्नो स्टॉर्म की चपेट में है। शहर, सड़कें, घर बर्फ की मोटी चादर से ढके हैं। बर्फीले तूफान और बर्फीली बारिश से सड़कों पर फिसलन है। नेशनल वेदर एजेंसी (एनडब्ल्यूए) ने विंटर स्टॉर्म 'डेविन' को लेकर चेतावनी जारी करते हुए न्यूयॉर्क समेत कई शहरों में आपातकाल की घोषणा कर दी है और लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है।

ईस्ट कोस्ट की तरफ बढ़ रहा तूफान

पूरे नॉर्थ ईस्ट अमेरिका में अलर्ट और इमरजेंसी रहेगा, क्योंकि एक शक्तिशाली बर्फीला तूफान ईस्ट कोस्ट की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट कोस्ट से लेकर उत्तर-पूर्व और अलास्का तक तूफान आने की चेतावनी है। कैलिफोर्निया, नेवाडा, इडाहो, व्योमिंग, कोलोराडो, पेन्सिलवेनिया, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, अलास्का, कनेक्टिकट, वाशिंगटन, ओरेगन, मोंटाना, यूटा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, ओहियो, वेस्ट वर्जीनिया, मैरीलैंड, वर्जीनिया, डेलावेयर और मैसाचुसेट्स, उत्तर-पूर्वी न्यू जर्सी, पेन्सिलवेनिया में बर्फबारी होगी। के कुछ इलाकों और दक्षिण-पूर्वी न्यूयॉर्क में भारी बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की गई है।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal
MD, DM (Cardiology)
Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरुकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% छूट
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

पाइल्स
क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

हर्षवर्धन राणे अब दिखेंगे गैंगस्टर वाली फिल्म में

मुंबई। 'सनम तेरी कसम' और 'एक दीवाने की दीवानियत' से चमकने वाले हर्षवर्धन राणे धड़ाधड़ नई परियोजनाओं से जुड़ रहे हैं। एक ओर, वह निर्देशक ओमंग कुमार की आगामी फिल्म 'सिला' में व्यस्त चल रहे हैं। दूसरी ओर, वह एकता कपूर की नई फिल्म 'शूटआउट एट दुबई' के साथ भी जुड़ चुके हैं। इस फिल्म की चर्चा तो काफी पहले से थी। ताजा जानकारी है कि फिल्म के बनने से पहले ही इसके डिजिटल अधिकारों को बेच दिया गया है। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, 'शूटआउट एट दुबई' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी जिसके डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार नेटफ्लिक्स ने पहले ही हासिल कर लिए हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

'मायसा' में खूंखार अवतार उड़ा देगा होश

एजेंसी ⏭ मुंबई

अगली फिल्म में रश्मिका खूंखार अवतार नजर आने वाला है जिसकी पहली झलक भी सामने आ गई है। दरअसल रश्मिका की पैन इंडिया फिल्म 'मायसा' का टीजर जारी कर दिया गया है। इस नायिका प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म में उनका साहसिक लुक लोगों का दिल जीत रहा है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपने हर किरदार से दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ती हैं। आयुष्मान खुराना की फिल्म 'थामा' में उन्होंने ड्रैकुला 'ताड़का' का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने खूब पंसद किया। अगली फिल्म में उनका खूंखार अवतार नजर आने वाला है जिसकी पहली झलक भी सामने आ गई है। दरअसल रश्मिका की पैन इंडिया फिल्म 'मायसा' का टीजर जारी कर दिया गया है। इस नायिका प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म में उनका साहसिक लुक लोगों का दिल जीत रहा है।

रश्मिका ने फिल्म 'मायसा' की पहली झलक जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा है। हम बस एक शाम के लिए कुछ मजेदार करना चाहते थे जिससे आपको आज की दुनिया दिखा सकें और बाकी गंभीर बातें? ओह्ह्ह्होहोहोहोइओ, आप उन्हें कुछ महीनों में देखेंगे।' इस पैन इंडिया फिल्म को 2026 में रिलीज किया जाएगा, लेकिन तारीख का ऐलान होना बाकी है। रवींद्र पुल्ले द्वारा निर्देशत फिल्म की कहानी गोंड जनजाति की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

नए साल की धमाकेदार शुरुआत, धर्मेन्द्र, सनी और बॉबी की तीन धांसू फिल्में होंगी रिलीज

मुंबई। नए साल की शुरुआत देओल परिवार के लिए भावनाओं से भरी होने जा रही है। एक ओर जहां सबसे पहले दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी, वहीं उनके दोनों बेटों सनी देओल और बॉबी देओल की फिल्में भी रिलीज के लिए तैयार हैं। एक्शन, इमोशन और स्टार पावर से भरपूर इन फिल्मों की राह दर्शक भी बड़ी बेसब्री से देख रहे हैं। आइए जानें कैसे जनवरी का पूरा महीना देओल परिवार के नाम रहने वाला है।

'इक्कीस' **:** धर्मेंद्र अब इस दुनिया में नहीं हैं। 89 साल की उम्र में भी वो अभिनय की दुनिया में सक्रिय थे। उनकी फिल्म 'इक्कीस' खूब चर्चा में है। तबीयत ठीक न होने की वजह से वो अपनी ये फिल्म पूरी नहीं देख पाए थे। 'इक्कीस' की रिलीज से पहले सनी और बॉबी अपने पिता की याद में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखेंगे। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी ये फिल्म 1 जनवरी को रिलीज हो रही है।

धर्मेंद्र की आखिरी झलक देखने को बेकरार फैंस **:** धर्मेंद्र ने 24 नवंबर, 2025 को इस दुनिया को अलविदा कहा था। अपने अंतिम दिनों में उन्होंने 'इक्कीस' की शूटिंग पूरी की थी, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ उन्हें आखिरी बार बड़े पर्दे पर देखा जा सकेगा। फिल्म के कुछ भावुक सीन और बीटीएस वीडियो में धर्मेंद्र अपने साथी कलाकारों से आखिरी बार बातें करते नजर आए। इन यादगार पलों के बाद फैंस अब अपने पसंदीदा सितारे को आखिरी बार पर्दे पर देखने को बेताब हैं।

'जन नायकन' **:** बॉबी देओल विलेन के अवतार में थलापति विजय की 'जन नायकन' में धमाका करने आ रहे हैं। फिल्म की आधिकारिक घोषणा के समय विजय और बॉबी को एक ही फ्रेम में देखकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई थी। इस पोंगल 9 जनवरी को 'जन नायकन' सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिका में हैं, वहीं निर्देशक लोकेश कनगराज, नेल्सन दिलीप कुमार और एटली इसमें कैमियो करते दिखेंगे।

दीपिका के बयान पर बोलीं संतुलन बनाना जरूरी

मुंबई। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सिनेमा में 8 घंटे शिफ्ट रखने की मांग की थी। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में नई बहस छेड़ दी। कई सितारों ने दीपिका की इस मांग का समर्थन भी किया। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इस 8 घंटे शिफ्ट वाले मामले पर अपनी राय व्यक्त की है। कियारा जुलाई, 2025 में एक बेटी 'सरायाह' की मां बनी हैं। अब उन्होंने फिल्मों में वापसी करने की पूरी तैयारी कर ली है। वोग के साथ बातचीत में, कियारा ने व्यक्तिगत और कामकाजी जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, किसी भी इंडस्ट्री में काम करने वाले, किसी भी व्यक्ति के लिए थकान और तनाव फायदेमंद नहीं होता। कियारा ने 3 शब्दों पर जोर दिया जो उनके काम के तरीके का मूल आधार हैं। यह गरिमा, संतुलन और सम्मान हैं, जो उनके घर के स्टाफ और सह-कलाकारों पर समान रूप से लागू होते हैं।

टीवी मसाला

कपिल ने 'धुरंधर' पर फोड़ा अपनी फिल्म की असफलता का ठीकरा

मुंबई। कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' को रिलीज हुए 12 दिन ही हुए हैं, लेकिन निर्माताओं ने इसे फिर से सिनेमाघरों में रिलीज करने का फैसला किया है। ये अचानक उठाया गया कदम दर्शकों और ट्रेड पंडितों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म को न तो दर्शकों से खास प्रतिक्रिया मिली और ना ही बॉक्स ऑफिस पर इसका जादू चला। अब कपिल की टीम ने फिल्म की असफलता पर बयान जारी किया है।

कपिल की टीम ने जारी किया बयान **:** कपिल की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' 14 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई थी। ये उनकी 2015 में आई हिट फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' का सीक्वल है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब कपिल की टीम ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में पर्याप्त स्क्रीन नहीं मिली, क्योंकि बड़े बजट और ज्यादा लोकप्रिय सितारों की फिल्मों ने ज्यादा स्क्रीन ले ली थीं।

'धुरंधर' ने बिगाड़ा कपिल की फिल्म का खेल **:** कपिल की टीम ने ये भी कहा कि खासकर रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज होने के बाद उनकी फिल्म के लिए शो और स्क्रीन कम रह गए। इसी वजह से फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई।फिल्म को री-रिलीज करने का फैसला इसी वजह से लिया गया है। निर्माताओं ने बताया है कि जनवरी, 2026 में फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में आएगी, ताकि ये दर्शकों तक फिर से पहुंच सके और बेहतर कमाई कर सके।

क्या री-रिलीज से चमकेगी 'किस किस को प्यार करूं 2' की किस्मत?

कपिल की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। इसे देखने के लिए दर्शक ज्यादा नहीं आए और लोगों की राय भी नकारात्मक रही। फिल्म में इतनी दिलचस्पी नहीं थी कि लोग इसे दोबारा देखें। फिल्म भारत में महज 11 करोड़ कमा पाई। कई सिनेमाघरों ने तो कुछ ही दिनों में इसे हटा दिया, ताकि इसकी जगह बेहतर प्रदर्शन करने वाली नई फिल्में दिखाई जा सकें। अब देखना होगा कि ये फिल्म वापस अपना सिक्का जमा पाती है या नहीं।

बैकग्राउंड डांसर से शुरू किया था कॅरियर, 75 रुपए थी पहली सैलरी

एंटरटेनमेंट जगत में कई सितारे हैं जिन्होंने सालों से बॉलीवुड पर अपनी पकड़ बनाए रखी है लेकिन, हिंदी सिनेमा में एक ऐसा सितारा भी है जो सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहा है। हम जिस सुपरस्टार की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं सलमान खान हैं। सलमान जिस भी फिल्म में काम करते हैं, वह सुपरहिट हो जाती है। बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर ही जाती है। सलमान ने शनिवार 27 दिसंबर को अपना 60वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस दौरान सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इंदौर में हुआ था सलमान का जन्म

हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं उन्हें सलमान खान के नाम से जाना जाता है। सलमान खान का जन्म 27 दिसंबर 1965 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। वे फेमस स्क्रीन राइटर सलीम खान और उनकी पहली पत्नी सलमा के बड़े बेटे हैं। उन्होंने ग्वालियर के सिंधिया स्कूल और मुंबई के सेंट स्टैनिस्लास हाई स्कूल में पढ़ाई की है। बाद में उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की।

दोस्त संग डांस किया मिले इतने रुपए

दिग्गज स्क्रीन राइटर सलीम खान के बेटे होने के बावजूद, सलमान खान बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करते थे। खुद सलमान ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था, "मेरी पहली तनख्वाह, मुझे लगता है, लगभग 75 रुपये थी। मैं ताज होटल में एक शो में डांस कर रहा था, मेरा एक दोस्त वहां डांस कर रहा था, तो उसने मुझे भी मजे के लिए अपने साथ ले लिया और मैंने भी डांस किया जिसके बदले 75 रुपए मिले। उन्होंने आगे कहा, "फिर कैम्पा कोला के लिए यह बढ़कर राशि 750 रुपये हो गई। लंबे समय तक चलने वाले ब्रांड के लिए 105 रुपये मिलते थे। फिर मुझे 'मैंने प्यार किया' के लिए 31,000 रुपये मिले, जो बाद में बढ़कर 75,000 रुपये हो गए।

'मैंने प्यार किया' से बने रातों-रात स्टार

सलमान ने 1988 में आई फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में सपोर्टिंग रोल से बॉलीवुड में एंट्री की थी लेकिन उन्हें 1989 में सूरज बड़जात्या की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से सफलता मिली, जिसने उनके शानदार करियर की शुरुआत की। 'मैंने प्यार किया' की शूटिंग के दौरान उनका शुरुआती सैलरी महज 31 हजार रुपये थी। हालांकि निर्माताओं ने बाद में उनकी फीस बढ़ाकर 71,000 से 75,000 रुपये कर दी थी, जो उनके शुरुआती करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

दी हैं कई ब्लॉकबस्टर फिल्में

सलमान खान ने 100 से ज्यादा फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों को दीवाना बना चुके हैं। उन्होंने 'हम आपके हैं कौन..!', 'करण अर्जुन', 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई रिकॉर्ड तोड़ हिट फिल्में दी हैं। हालांकि ऐसा दौर भी आया जब उनका करियर पटरी से उतर गया था लेकिन फिर उन्होंने 'वांटेड' से दमदार कमबैक किया। इसके बाद 'दबंग', 'बजरंगी भाईजान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से स्टारडम हासिल कर लिया।

अफेयर के चर्चे खूब, पर नहीं हो पाई शादी

गौरतलब है कि सलमान खान अभी भी कुंवारे हैं। हालांकि उनके अफेयर के चर्चे खूब रहे। सलमान खान, संगीता बिजलानी के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थे। दोनों की शादी के कार्ड भी छप चुके थे, लेकिन अंत में इनका रिश्ता टूट गया। संगीता के बाद उनका नाम सोमी अली संग जुड़ा था। सोमी ने सलमान पर मारपीट का आरोप लगाया था. इसके बाद उनके और ऐश्वर्या राय के रोमांस के चर्चे हुए। सलमान और ऐश्वर्या किस मोड़ पर खत्म हुआ, ये हर किसी को पता है। ऐश्वर्या से ब्रेकअप के बाद सलमान की जिंदगी में कटरीना की एंट्री हुई, लेकिन कुछ समय बाद दोनों अलग हो गए। चर्चा ये भी है कि अब सलमान, यूलिया वंतूर को डेट कर रहे हैं।

रणबीर की 'एनिमल-2' में सलोनी होगी वापसी

मुंबई। अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने कई आलोचनाओं के बावजूद दर्शकों का दिल जीता था। फिल्म के दूसरे भाग 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज तारीख तो तय नहीं हुई है, लेकिन इसकी शूटिंग 2027 से शुरू होने की पूरी संभावना है। चर्चा तो यह भी है कि दूसरी किस्त में, रणबीर को दोहरी भूमिका निभाते हुए देखा जाएगा। इस बीच, सलोनी बत्रा ने सीक्वल में अपनी वापसी पर बात की है। संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'एनिमल पार्क' में सलोनी को फिर दमदार किरदार में देखा जाएगा। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, मैं 'एनिमल 2' में जरूर रहूंगी। लोगों को 'एनिमल' पसंद आई थी, इसलिए निर्माता मनोरंजन और एक्शन के लिए इस तरह की फिल्में बनाना चाहते हैं।

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। अब सबसे अहम यह है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अरावली के अस्तित्व पर संकट

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

देश में बढ़ते विकास के बीच जंगल, पहाड़ अक्सर अपनी कुर्बानी देते हैं भारत में इसका सबसे ताजा उदाहरण अरावली है जो विकास बनाम पर्यावरण के बीच खड़ी है। करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। अरावली का महत्व सिर्फ पहाड़ों तक सीमित नहीं है। यह थार रेगिस्तान को पूर्वी भारत की ओर बढ़ने से रोकने में एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। यही कारण है कि इसे उत्तर भारत का "रक्षा कवच" भी कहा जाता है। पर्यावरण के लिहाज से अरावली भूजल को रिचार्ज करने में मदद करती है, जिससे राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में पानी का संतुलन बना रहता है।

करीब 690 किलोमीटर लंबी अरावली, जो गुजरात से शुरू होकर राजस्थान और हरियाणा होते हुए दिल्ली तक फैली है। इसने सदियों से उत्तर-पश्चिमी भारत में जलवायु संतुलन और बायोडायवर्सिटी को बचाए रखा है। आज अरावली एक बार फिर विकास, पर्यावरण संरक्षण और कानून के टकराव के बीच में खड़ी है। आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत ज़रूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी ज़रूरी है

प्रदूषण रोकने में मददगार

ये पहाड़ियां धूल भरी आंधियों को रोकती हैं और प्रदूषण को सोखकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि अगर अरावली कमजोर हुई तो रेगिस्तान फैल सकता है और उत्तर भारत में जल संकट और गंभीर हो जाएगा। एक ओर अरावली को उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन के लिए बेहद अहम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष इसे प्रदेश के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बनाकर सड़क से सदन तक संघर्ष की तैयारी में जुट गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2025 में अरावली की परिभाषा बदल दी, जिसमें 100 मीटर से ऊंची जगहों को ही पहाड़ी माना जाएगा। इस आदेश से सिर्फ राजस्थान के 15 जिलों में 12,081 पहाड़ियों में से केवल 1,048 (8.7 फीसदी) ही इस मानक को पूरा कर सकेंगी और 90 फीसदी से अधिक क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। यही बात पर्यावरणविदों को चिंता में डाल रही है। उनका कहना है कि सिर्फ़ ऊँचाई के आधार पर अरावली को परिभाषित करने से कई ऐसी पहाड़ियों पर खनन और निर्माण के लिए दरवाज़ा खुल जाने का खतरा पैदा हो जाएगा, जो 100 मीटर से छोटी हैं, झाड़ियों से ढंकी हुई और पर्यावरण के लिए जरूरी हैं।

जनजीवन से जुड़ा है मामला

यह फैसला सिर्फ कानूनी व्याख्या का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, पर्यावरण व भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए पर्यावरणविद मांग कर रहे हैं कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण. वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो। हालांकि, सरकार और कुछ कानून विशेषज्ञों का कहना है कि नई परिभाषा 1980 के दशक से चली आ रही, जो इस लड़ाई पर एक सामान्य परिभाषा बनाएगी। कोर्ट ने भी माना कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली क्षेत्र में पत्थर और खनिजों का खनन हजारों लोगों की आजीविका से जुड़ा है और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी है। बिना ठोस वैज्ञानिक और कानूनी आधार के पूरी तरह से प्रतिबंध के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।केंद्र सरकार का कहना है कि नई परिभाषा का मकसद नियमों को मज़बूत करना और एकरूपता लाना है, न कि सुरक्षा को कम करना। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह मान लेना ग़लत है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली हर जमीन पर खनन की इजाज़त होगी।

अब अरावली की नई परिभाषा

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि 1,47,000 वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली श्रृंखला का सिर्फ़ दो फीसदी हिस्सा ही संभावित रूप से खनन के लिए इस्तेमाल हो सकता है और वह भी विस्तृत अध्ययन और आधिकारिक मंजूरी के बाद। बहरहाल, अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और केंद्र सरकार द्वारा अरावली की नई परिभाषा तय करने के प्रयासों के बाद राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में एक सबसे अहम सवाल है, जो देखने में सरल लेकिन असल में बेहद खतरनाक है- आखिर अरावली की कानूनी और पर्यावरणीय परिभाषा क्या होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने जो नई परिभाषा पर मुहर लगाई है क्या वो पर्यावरण मानकों और साइंटफिक स्केल के दायरे में किया गया है? यह सवाल इसलिए अहम बन जाता है क्योंकि इसी परिभाषा के आधार पर यह तय होता है कि कौन-सा क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स या संरक्षण के दायरे में आएगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र सरकार की सुझाई गई परिभाषा को स्वीकार किए जाने के बाद यह बहस और तीखी हो गई है। अरावली का महत्व केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले मैदानों के बीच एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करती है। राजस्थान, दिल्ली और गुरुग्राम जैसे क्षेत्रों में यह धूल भरी हवाओं को रोकने, तापमान नियंत्रित करने और वर्षा के जल को जमीन में समाहित करने में सहायक है। अरावली के जंगल कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि अरावली को गंभीर क्षति पहुंचती है, तो इसके परिणाम दूरगामी होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार इससे वायु प्रदूषण में वृद्धि, भीषण गर्मी और हीटवेव, और भूजल स्तर में तेज गिरावट जैसी समस्याएं और गहराएंगी।

माइनिंग कंट्रोल करना ज़रूरी

यह राजस्थान में मरुस्थलीकरण की गति बढ़ सकती है, जबकि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और जल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने एक ऐसे निर्णायक मोड़ की ओर संकेत किया है, जहां कानूनी व्याख्या और पर्यावरणीय वास्तविकता के बीच संतुलन स्थापित करना अनिवार्य हो गया है। आने वाले समय में इस फैसले के प्रभाव केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उत्तर भारत के पर्यावरण और जनजीवन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। दरअसल, यह पूरा मामला दिखाता है कि अरावली संरक्षण की लड़ाई लंबी है। विकास और पर्यावरण का संतुलन कैसे बनेगा, यह समय बताएगा। लेकिन आज, अरावली रेंज खतरे में है। अवैध माइनिंग ने 20 फीसदी इलाके को नष्ट कर दिया है। सरकार अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चला रही है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि यहां के जंगलों को बचाना और उनका विस्तार करना बहुत जरूरी है। माइनिंग को कंट्रोल करना भी जरूरी है।

जीवन के लिए पर्वतीय श्रृंखला का जिंदा रहना जरूरी

मुद्दा

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

अरावली पहाड़ियों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक बड़े सामाजिक–राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इसे पर्यावरण संरक्षण का गंभीर सवाल बता रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार इसे खनन माफिया पर सख्त प्रहार के रूप में पेश कर रही है। दशकों से चल रही राजनीति, विरोधाभासी फैसलों और बदलती परिभाषाओं के बीच यह सवाल सबसे अहम है कि क्या सचमुच अरावली का भविष्य सुरक्षित है? हाल ही में केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों में नए खनन मामलों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर तक फैली पूरी अरावली श्रृंखला पर लागू किया गया है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो खदानें पहले से संचालित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सभी पर्यावरणीय मानकों और सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करना होगा। सरकार का दावा है कि इससे प्रकृति को हो रहे नुकसान को रोका जाएगा और अरावली क्षेत्र में हरियाली लौटाने के प्रयास किए जाएंगे। इसी बीच अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद गहरा गया है। हालिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया कि केवल वही भूमि अरावली पहाड़ी मानी जाएगी, जो आसपास की जमीन से कम से कम 100 मीटर ऊंची हो।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं।

इस परिभाषा के सामने आते ही पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों ने आशंका जताई कि इससे बड़ी संख्या में छोटी पहाड़ियां, टीले और झाड़ियों से ढके क्षेत्र संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि नई परिभाषा के तहत अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित नहीं रह पाएगा और उसे रियल एस्टेट या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है। सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है और खनन पर लगे प्रतिबंध से बौखला गया है। पर्यावरण मंत्रालय का दावा है कि अरावली के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सर्वे ऑफ इंडिया को नई परिभाषा के आधार पर नक्शा तैयार करने के निर्देश केवल स्पष्टता के लिए दिए गए हैं। बावजूद इसके, इस मुद्दे पर देशभर में विरोध प्रदर्शन, हस्ताक्षर अभियान और जनसभाएं हो रही हैं, जो बताती हैं कि जनता की चिंता गहरी है। अरावली मानसून के दौरान बादलों की दिशा मोड़ने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे पूर्वी राजस्थान और उत्तरी मैदानों को वर्षा मिलती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकती है और रेत–धूल को दिल्ली–एनसीआर तक पहुंचने से काफी हद तक थामे रखती है। इसके अलावा, अरावली को भूजल रिचार्ज का इंजन भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में मौजूद जंगल, चट्टानें और मिट्टी वर्षा जल को जमीन में समाहित कर जलस्तर बनाए रखने में मदद करते हैं।

यदि अरावली कमजोर होती है, तो दिल्ली–एनसीआर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी और हवा दोनों का संकट और गहरा सकता है। पहले ही गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में अरावली की कई पहाड़ियां कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अरावली को लेकर राजनीतिक दलों की भूमिका भी सवालों के घेरे में रही है। आरोप है कि 2003 में कांग्रेस सरकार के दौरान 100 मीटर ऊंचाई वाली परिभाषा की नींव रखी गई थी, जिसे 2010 में सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। तब अदालत ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। अब करीब 14 साल बाद वही परिभाषा एक बार फिर सामने आई और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई। इस कारण विपक्ष और पर्यावरणविद् दोनों सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सच्चाई यह है कि अरावली को सबसे ज्यादा नुकसान राजनीति से ज्यादा लालच और अनियंत्रित विकास ने पहुंचाया है। खनन, रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचे के नाम पर इस पर्वतमाला को लगातार काटा गया। नतीजा यह है कि दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक बना रहता है और लोगों की औसत आयु तक प्रभावित हो रही है। आज जरूरत इस बात की है कि अरावली को केवल राजनीतिक बहस का विषय न बनाकर राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देखा जाए। वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और स्थानीय समुदायों की राय को गंभीरता से सुना जाए। विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही एकमात्र रास्ता है। क्योंकि सच यही है-अगर अरावली जिंदा रहेगी, तभी हमारी हवा, पानी और जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

अरावली बचाने की मुहिम पर सवाल उठाना गलत

विवाद

रोहित कौशिक

स्वतंत्र पत्रकार

अरावली पर चले रहे विवाद के बीच केन्द्र सरकार ने राज्यों को अरावली में नए खनन पट्टे देने पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह रोक पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होगी और इसका मकसद इस क्षेत्र की अखंडता को बनाए रखना है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा से यह सवाल उठ रहा था कि क्या अरावली के माध्यम से खनन उद्योग को गति प्रदान की कोशिश हो रही है ? हालांकि सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि वह खनन को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है लेकिन क्या इन प्रयासों से वास्तव में नियमानुसार खनन हो पाएगा ? माना जा रहा है कि अरावली की नई परिभाषा से इन पहाड़ियों में खनन और तेज हो जाएगा और अरावली की पहाड़ियां खत्म होने के कगार पर पहुंच जाएंगीं, जिससे कई तरह के पर्यावरणीय बदलाव होंगे। मुख्य रूप से राजस्थान में अरावली की नई परिभाषा को लेकर आन्दोलन तेज हो गया है। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली की पहाड़ियां हैं लेकिन राजस्थान में अरावली की 80 प्रतिशत पहाड़ियां हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की पहाड़ियों में अवैध खनन को रोकने के लिए केन्द्र सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट का कहना था कि अरावली की पहाड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। सभी राज्य अपने अनुसार यह तय करते हैं कि वे किस पहाड़ को पहाड़ मानेंगे और किस पहाड़ पर खनन करने की इजाजत देंगे। इसी संशय को दूर करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक समिति बनाई। इस समिति ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी सिफारिशें दाखिल कीं। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशों में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यदि किसी पहाड़ की ऊंचाई 100 मीटर या उससे ज्यादा है तो उस पहाड़ से 500 मीटर के इलाकों को अरावली क्षेत्र माना जाएगा और वहां किसी भी प्रकार के खनन की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सिफारिशों को स्वीकार करते हुए कहा कि जो पहाड़ इस परिभाषा के हिसाब से अरावली क्षेत्र में नहीं आएंगे, वहां सस्टेनेबल माइनिंग यानी टिकाऊ खनन हो सकेगा। सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। लोगों का मानना है कि इस परिभाषा के हिसाब से अरावली के 90 प्रतिशत पहाड़ खत्म हो जाएंगे क्योंकि इन पहाड़ों की ऊंचाई 100 मीटर से ज्यादा नहीं है। यह सही है कि अरावली क्षेत्र में पहले से ही खनन होता रहा है लेकिन अब समाज में अरावली को बचाने की चिंता देखी जा रही है तो इस चिंता को कठघरे में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

सस्टेनेबल माइनिंग का अर्थ यह है कि खनन करते हुए वहां के पर्यावरण, जल, जंगल और जनता की जिंदगी को स्थायी हानि न हो।

देश में तमाम प्राकृतिक धरोहरों को संभालना होगा

सियासत

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में राजस्थान में अरावली की पहाड़ियां इन दिनों सियासत की जंग का मैदान बनी हुई हैं। अरावली को लेकर सब अपने-अपने हिसाब से परिभाषित कर रहे हैं जिसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल भी जमकर हो रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे थे, वह उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी और हमने वो ही किया।

हमें पहले यह समझना चाहिए कि अरावली भारत की रीढ़ है जो चार राज्यों से गुजरती है। यह उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग 670 किलोमीटर लंबी मानी जाती है। यह दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिण हरियाणा और राजस्थान के अंदर तक जाती है और फिर गुजरात में अहमदाबाद के आसपास के मैदानों तक पहुंचती है।

भूगोलविद सीमा जालान बताती हैं कि अरावली 67 करोड़ वर्ष पुरानी पर्वतमाला है और यह नहीं होतीं तो उत्तर भारत की जाने कितनी नदियां नहीं होतीं। जाने कितने जंगल, कितनी वनस्पतियां, कितने बहुमूल्य धातु और कितने इकोलॉजिकल वैभव नहीं होते। विशेषज्ञों के अनुसार अरावली पर्वत श्रृंखला केवल जीव-जंतुओं के लिए ही नहीं बल्कि इंसानों के लिए भी एक लाइफ लाइन है। सरकार इस मुद्दे की गंभीरता को समझे। जिस तरह केंद्र सरकार ने अरावली पहाड़ियों को 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली घोषित किया गया है और इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मुहर लगा दी। इसके अलावा हरियाणा सरकार के हस्तक्षेप करने का कारण यह है कि अरावली का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा ही हरियाणा में आता है और बाकि हिस्सा राजस्थान में है। जनता का आरोप है कि बीते कई वर्षों से अरावली की चोरी हो रही है और 100 मीटर बने

आज जब अरावली की समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती।

कानून का कोई औचित्य नहीं है। वहीं, दूसरी ओर सरकार ने इसकी पैरवी की और ये गाइडलाइन सुप्रीम कोर्ट के जरिए की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि एक तरफ देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार अरावली जैसी प्राकृतिक दीवार को कमजोर करने का काम कर रही है।

पहले ही अरावली में बड़े स्तर पर अवैध खनन हो रहा है। बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे में कैसे बचेगी अरावली और कैसे बचेगा पर्यावरण? बहरहाल, आज जब अरावली की वजह से प्राकृतिक समस्या आई तो हर कोई अपनी उपस्थिति दर्ज करा है लेकिन यह सबको पता है कि कोई भी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहर नष्ट या क्षतिग्रस्त एकदम या कुछ समय में नहीं होती। इसमें लंबा समय लगता है और यह खुला खेल हमेशा शासन-प्रशासन के सामने ही होता रहा है। मौजूदा स्थिति में हाईटेक होने के लिए हर रोज विश्व का एक सकारात्मक दिशा की ओर निर्माण हो रहा है जिसमें भारत का नाम भी बेहद चुनिंदा देशों में गिना जाने लगा। हम अन्य देशों की अपेक्षा पर्यावरण व प्राकृतिक धरोहरों को बचाने व संभालने में उतने सक्षम नहीं हैं जितने कि हमें जरूरत है। दरअसल मामला यह है कि लगातार बढ़ रही जनसंख्या को व्यवस्थित करने के लिए हम पर्यावरण व धरोहरों का विनाश करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सबसे अहम व मूलभूत जरूरत को दरकिनार करके तरक्की करना अपराध सा लगता है।

हमारे यहां जनसंख्या का तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है जिसके चलते जंगल का पर्यावरण व पहाड़ों को बर्बाद किया जा रहा है देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। वैज्ञानिकों ने लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले कुछ वर्ष बाद ही धरती रहने लायक नहीं बचेगी।

आजादी की लड़ाई से लेकर देश के नवनिर्माण तक कांग्रेस

स्थापना दिवस

दीपक बैज

कांग्रेस ने अपनी स्थापना के 140 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 141वें स्थापना दिवस की आप सभी को बधाई। आज भले ही अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार नही है, लेकिन कांग्रेस ही देश का एक मात्र राजनैतिक दल है जिसका कार्यकर्ता भारत के उत्तर, दक्षिण, पूरब से लेकर पश्चिम के हर गांव में मिल जाएगा। 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों, उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की, जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके, सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके। इन्ही उद्देश्यों को लेकर 72 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमें एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, काशीनाथ तेलंग, राघवाचारी प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने के उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से लेकर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे।

गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगों में आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नहीं होगी, अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नहीं हो सकता, इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था, इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अंग्रेजी हुकूमत के विरोध के कार्यक्रमों में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया। 1915 में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी, 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का नारा दिया और रावी नदी के तट पर तिरंगा फहराया गया।

कांग्रेस आजादी का लक्ष्य प्राप्त करने में इसलिए सफल हुई क्योंकि वह लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रही थी। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस किसी एक वर्ग की नही बल्कि सम्पूर्ण भारत की अगुवाई कर रही थी। कांग्रेस में कई विचार धाराएं थी, गांधी जी सहित कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओ ने वैचारिक मतभिन्नता का पूरा सम्मान किया तथा विभिन्न विचारों को लेकर स्वतंत्र भारत के एक लक्ष्य के साथ कांग्रेस दुनिया के सबसे बड़े सफल अहिंसक आंदोलन को चलाने में कामयाब हुई। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस भारत के जनमानस की आईना थी। सारा भारत कांग्रेस के साथ था सिर्फ साम्प्रदायिक जातिवादी और अंग्रेजो के प्रति श्रद्धा रखने वाले संगठन जरूर कांग्रेस के खिलाफ थे।

आजादी के बाद छोटे बड़े रजवाड़ो रियासतों को समाहित कर लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के साथ समानता वाले भारत का निर्माण, सबको समान

आणथक अवसर के साथ धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक समानता को सुनिश्चित करना बहुत बड़ी चुनौती थी। आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जानते थे कि यह सारे लक्ष्य तभी फलीभूत हो सकते है जब भारत आर्थिक रूप से सुदृढ और सुरक्षित हो, स्वस्थ हो। इसीलिये नेहरू जी ने सिचाई परियोजनाओं के साथ बड़े कल कारखानो की नींव साथ में रखी। नेहरू जी ने विज्ञान और संस्कृति के सामंजस्य वाले भारत की कल्पना की थी। यही कारण था कि उन्होंने देश में आईआईएम, आईआईटी जैसे अभियांत्रिकी प्रबन्ध संस्थानों से लेकर बेहतरीन चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना की। पंडित नेहरू के बाद की कांग्रेस सरकारों ने उनके द्वारा स्थापित इस मजबूत नीव पर आधुनिक भारत की शानदार इमारत की स्थापना पर कोई कसर नही छोड़ी।

नेहरू जी के बाद शास्त्री जी के समय अनाज की उपलब्धता बढ़ाई, देश की सुरक्षा को लक्ष्य रख कर जय जवान जय किसान का नारा दिया गया। इंदिरा जी हरित क्रांति, बीस सूत्री कार्यक्रम, अंतरिक्ष कार्यक्रम, परमाणु कार्यक्रम से सुदृढ़ भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता में रखा। राजीव गांधी जब भारत के प्रधानमंत्री बने तब देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए कांग्रेस की प्राथमिकता में सूचना प्रोद्योगीकी और कम्प्यूटर क्रांति थी, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 करके युवाओं को लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने का अवसर दिया, पंचायतों को सशक्तीकरण कर सत्ता के विकेंद्रीकरण का मार्ग भी खोला गया। पीवी नरसिंहराव जी के समय आर्थिक उदारीकरण को अपना कर वैश्विक व्यापारिक जगत में भारत को मजबूती से खड़ा करने का प्रयास किया गया। यूपीए चेयर पर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन तथा मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों के साथ खाद्य सुरक्षा कानून, सूचना के अधिकार, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी, शिक्षा का अधिकार, भू–अधिग्रहण जैसे कानूनों को लाकर कांग्रेस ने आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने का प्रयास किया।

2014 में केंद्र की सत्ता तथा 2023 में राज्य की सत्ता हाथ से जाने के बाद कांग्रेस एक सजग विपक्ष की भूमिका निभा रही है। बहुमत के अतिवादी चरित्र का विरोध जिस बेबाकी और निडरता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खड़गे जी कर रहे है वह कांग्रेस के उन्ही मूल्यों उपज है जिन मूल्यों को लेकर कांग्रेस ने दुनियां के सबसे बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन और भारत के सबसे बड़े राष्ट्रवादी आंदोलन से भारत की आजादी की लड़ाई को लड़ा था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाकर पाटऐं के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे अनुभवी शख्स को पार्टी के निचले पायदान ब्लाक अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना कांग्रेस जैसे दल में ही संभव है। आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार नेशनल हेराल्ड तथा यंग इंडिया जैसे देश और कांग्रेस की अमूल्य धरोहरों को लेकर केंद्र की सत्तारूढ़ दल भाजपा के द्वारा षड्यंत्र किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रहार किया गया। आजादी की लड़ाई के इन प्रतिमानों यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड को बचाने के प्रयासों को ही अपराध साबित करने की कुचेष्टा की गई, लेकिन अदालत में यह षड्यंत्र बेनकाब हो गया।

कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने देश के मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों को रोजगार मुहैया कराने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्श के अनुरूप मनरेगा कानून का निर्माण किया था, वर्तमान केंद्र सरकार ने मनरेगा कानून की मूल आत्मा को नष्ट करने के लिए संसद में नया विधेयक पारित करवाया। इस कानून में महात्मा गांधी के नाम को हटा दिया गया। साथ ही मनरेगा कानून में मजदूरों के लिए रखे गये प्रावधानों को खत्म कर दिया गया। कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप देश के अंतिम आदमी के साथ हमेशा खड़ी रही है। ऐसे तत्वों को ऐसी कुचेष्टा का हमेशा से विरोध करती रही है। इस षड्यंत्र से कांग्रेस का देश में सर्वधर्म समभाव, सर्वजनहिताय के लक्ष्य को प्राप्त करने का ईरादा कमजोर नहीं होगा।

(लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं)

तरकश

संजय के. दीक्षित

काम बड़े...संदेश छोटे!

लास्ट वीक तरकश में एक प्रश्न था...सरकार के कई रिफार्म के बाद भी संदेश क्यों नहीं जा रहे, इसके जवाब अनेक आए। खैर...नई सरकार के दो साल के हिसाब से कैलकुलेट करें तो अतिश्योक्ति नहीं कि 25 साल में सबसे अधिक काम और रिफार्म दो बरस में हुए हैं। देखते-देखते में नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़...किसी ने कल्पना नहीं की होगी। नई उद्योग नीति के बाद 8000 करोड़ के निवेश। पहली बार पूंजी निवेश की साइज के आधार पर सब्सिडी की बजाए लोकल लोगों को रोजगार के आधार पर सब्सिडी। सूबे में सेमीकंडक्टर और फार्मा जैसी इंडस्ट्रीज आ रही। राजस्व और पंजीयन में ऐतिहासिक सुधार। जमीनों का आटोमेटिक नामंतरण, ऋण पुस्तिका की समाप्ति, गाइडलाइन रेट का युक्तियुक्तकरण। 13 हजार से अधिक स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण। वर्क कल्चर के लिए ऑनलाइन अटेंडेंस। पारदर्शिता के लिए ई-ऑफिस सिस्टम...सारी फाइलें, नोटशीट अब ऑनलाइन। देश में छत्तीसगढ़ फर्स्ट स्टेट, जहां मंत्रालय और एचओडी ऑफिस में ऑनलाइन वर्किंग। जीएसटी में सबसे अधिक टैक्स। अब आपका सवाल, इतने काम तो फिर आम आदमी में इसके संदेश क्यों नहीं? दरअसल, ओवरऑल गुड परफार्मेंस के लिए काम और रिफार्म के अलावे सिस्टम का औरा भी जरूरी होता है, जो दो साल में बन नहीं पाया। जाहिर है, जनता इस औरे से ज्यादा चमत्कृत होती है। करप्शन का लेवल कम नहीं हुआ। पहले कुछ परसेंट काम बिना पैसे के हो जाते थे, अब मंत्री-मिनिस्टर या बड़े लोगों की सिफारिशों का भी महत्व नहीं रहा। मंत्रिमंडल में सामूहिक उत्तरदायित्व की कमी। कई ऐसे मसले आए, जब मंत्री अपने साथी मंत्री या सरकार के बचाव में सामने आना मुनासिब नहीं समझा। उल्टे गाइडलाइन रेट को लेकर अपने ही सरकार पर हमलावर। शुरूआती बरस में संगठन में बैठे कुछ दिव्य आत्माओं द्वारा ट्रांसफर, पोस्टिंग और नियुक्तियों में सरकार को डेंट। तो बीजेपी के असंतुष्ट नेताओं द्वारा सेल्फ गोल। रुलिंग पार्टी के लोग ही लगेंगे सरकार की चाल में मीन-मेख निकालने तो आम आदमी क्या कहेगा? कुछ बुनियादी चीजें भी। सबसे अधिक हेल्थ की हालत खराब। किसी भी सरकारी अस्पतालों में समूचित दवाइयां नहीं। बच्चों के वैक्सीन के लिए भटकता आम आदमी। दवाइयां खरीदने की बजाए ज्यादा कमाई वाला काम बिल्डिंग निर्माण में दिमाग दौड़ाता सीजीएमएससी। सिस्टम का औरा पुलिस से भी दिखता है। मगर पुलिस बाबाओं के पैर छूने में व्यस्त। वीडियो में दिखा ही, अपराधी को पकड़ने में भले ही कोई हड़बड़ी नहीं, मगर बाबाजी को देखते जूता और टोपी उतारने में देर नहीं। महिला डीएसपी को गिफ्ट में 12 लाख के डायमंड हार मगर सिस्टम गांधीजी के तीन बंदर की तरह। डीएसपी, एडिशनल एसपी के ट्रांसफर की नोटशीट महीनों तक डंप। छह महीने से पुलिस अफसरों के खिलाफ इंक्वायरी की फाइल कहीं दबी पड़ी। ऐसी कई वजहें हैं, जो सरकार के अच्छे कामों का माहौल बनने से रोक दे रहीं। वैसे सीएस विकास शील और पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने चीजों को व्यवस्थित करने का प्रयास किया है। मगर राजनीतिक फैसलों के लिए सिस्टम के पास जरूरी है चाबुक चलाने वाले एक शख्सियत की। क्योंकि, सेल्फ गोल से सरकार की छबि को ज्यादा धक्का लग रहा है। इसी कॉलम में एकाधिक बार लिखा जा चुका है कि रमन सिंह की कामयाबी में सौदान सिंह की बड़ी भूमिका रही।

आईपीएस को विदाई गिफ्ट

2008 बैच के आईपीएस अधिकारियों का अगले महीने जनवरी में आईजी प्रमोशन ड्यू हो जाएगा। मगर डेट ऑफ बर्थ के चक्कर में कमललोचन कश्यप के आईजी बनने पर संकट खड़ा हो गया है। सरकारी रिकार्ड में एक जनवरी उनका बर्थ डेट है। जाहिर है, स्कूल में दाखिला लेते समय एक तारीख का डेट दर्ज कराया गया होगा। बहरहाल, रिटायरमेंट नियमों के तहत एक या दो तारीख को अगर जन्म हुआ है तो उसके पहले महीने के लास्ट डेट को रिटायरमेंट हो जाएगा। लिहाजा, कमललोचन इसी 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। अब सवाल उठता है, राज्य सरकार क्या उन्हें आईजी प्रमोट कर विदाई देगी या डीआईजी से ही उन्हें सेवानिवृत्त होना पड़ेगा। इससे पहले कई दृष्टांत है कि आईएएस, आईपीएस को समय से पहले प्रमोशन दिया गया। रमन सिंह की दूसरी पारी में आईपीएस आरसी पटेल को एडीजी प्रमोशन का आदेश रिटायरमेंट की रात 10 बजे जारी हुआ था। जबकि, उनके बैच के प्रमोशन में तीन-चार महीना बाकी था। आईएएस में जवाहर श्रीवास्तव से लेकर आरएस विश्वकर्मा को सचिव से प्रमुख सचिव भी इसी तरह आखिरी दिन बनाया गया। कमललोचन आदिवासी हैं...धुर नक्सली इलाका दंतेवाड़ा से ताल्लुकात रखते हैं...नक्सलियों के खिलाफ उन्होंने लड़ा भी है। छत्तीसगढ आदिवासी राज्य है और मुखिया विष्णुदेव साय भी आदिवासी हैं तो फिर कमललोचन के प्रमोशन को लेकर लोगों की उत्सुकता स्वाभाविक है...सरकार क्या कमललोचन को रिटायमेंट गिफ्ट देगी? पीएचक्यू ने भले ही प्रस्ताव भेजने में लेट किया मगर सरकार के लिए कुछ असंभव नहीं होता। तत्कालीन सीएस सुनिल कुमार फरवरी 2013 में जाते-जाते एएन उपध्याय को 29 साल की सर्विस में डीजी बनवा डाले थे।

खुफिया चीफ और माफी

छत्तीसगढ़ में पोलिसिंग की स्थिति कैसी है, इस घटना से आप अंदाजा लगा सकते हैं। हाल की बात है...राजधानी रायपुर के बीयर-बारों के बाउंसरों के उत्पातों को रोकने एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार ने एसएसपी लाल उमेद सिंह से कार्रवाई करने कहा। खुफिया चीफ का आदेश था, इसलिए एसएसपी ने फोर्स भेजकर दर्जन भर से अधिक शिकायती बारों के बाउंसरों को लाकर थाने में बिठा लिया। मगर इसमें से आधे बाउंसरों को पुलिस महकमे के सीनियर अफसरों ने फोन कर छुड़वा लिया। वो इसलिए क्योंकि वीआईपी रोड के कई बीयर-बारों में उनका पैसा लगा है। कुछ के लिए नेताओं ने फोन किया और कुछ को कोर्ट में पेश होते ही जमानत मिल गई। याने पकड़ कर लाने के बाद भी एक भी बाउंसरों को पुलिस जेल नहीं भेज पाई। जाहिर है, इससे पुलिस डिमरलाइज होगी ही। बताते हैं, एसएसपी इस पूरे एपिसोड से बहुत दुखी हुए। उन्होंने अमित कुमार को बताया। अमित बोले...सॉरी लाल उमेद, अब आगे से इस तरह के मामलों में कार्रवाई करने नहीं कहूंगा।

न्यू ईयर गिफ्ट

जनवरी में 2001 बैच की आईएएस शहला निगार प्रमुख सचिव प्रमोट हो जाएंगी तो 2010 बैच के आईएएस जेपी मौर्या, कार्तिकेय गोयल, सारांश मित्तर, रमेश शर्मा और धमेंद्र साहू सिकेट्री बनेंगे। रानू साहू सस्पेंड हैं, इसलिए उनका प्रमोशन नहीं होगा। हालांकि, सरकार चाहे तो प्रमुख सचिव सुबोध सिंह और निहारिका बारिक को ड्यू टाईम से एक साल पहले प्रमोट कर एसीएस बना सकती है। एसीएस के छह पद हैं और इस समय मुख्य सचिव को मिलाकर तीन ही अफसर हैं। उसमें भी मनोज पिंगुआ फरवरी-मार्च तक दिल्ली चले जाएंगे और ऋचा शर्मा का भी कोई भरोसा नहीं, कब तक यहां हैं। कहीं दोनों दिल्ली चले गए तो एसीएस की संख्या जीरो हो जाएगी, यह एक अजीब स्थिति होगी। वैसे टाईम से पहले प्रमोशन पहले भी मिलता रहा है। पिछली सरकार में रेणु पिल्ले को समय से छह महीने और सुब्रत साहू को डेढ़ साल पहले एसीएस बनाया गया। रमन सिंह सरकार में सीके खेतान और आरपी मंडल छह महीने पहले सचिव से प्रमुख सचिव बनाए गए थे। सरकार चाहे तो 2002 बैच के आईएएस डॉ0 रोहित यादव और डॉ0 कमलप्रीत सिंह को भी सचिव से प्रमुख सचिव प्रमोट कर सकती है। क्योंकि, प्रमुख सचिव में भी काफी वैकेंसी है। इस समय तीन ही प्रमुख सचिव हैं। सुबोध, निहारिका और सोनमणि बोरा। इसमें भी सुबोध को काउंट नहीं। वे सीएम सचिवालय के हेड हैं। विभागीय पीएस की दृष्टि से देखें तो दो ही प्रिंसिपल सिकेट्री हुए। सचिवों की फौज भी काफी बड़ी हो गई है। लिहाजा रोहित और कमलप्रीत को प्रमुख सचिव बनाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। दोनों का ड्यू टाईम जनवरी 2027 है।

प्रमोशन में खटका

ऑल इंडिया कैडर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस सर्विस में कुछ सालों से सबसे स्लो पुलिस मुख्यालय है, जिसने अपने ही अफसरों के प्रमोशन की फाइल इस बार भी सबसे लेट सरकार को भेजा। अब अनुमति के लिए कब दिल्ली जाएगा और कब डीपीसी होगी कोई भरोसा नहीं। बहरहाल, 2001 बैच एडीजी, 2008 बैच आईजी, 2012 बैच डीआईजी और 2013 बैच सलेक्शन ग्रेड याने एसएसपी बनेगा। 2001 बैच में डॉ0 आनंद छाबड़ा का सिंगल नाम है। वहीं, आईजी बनने वाले 2008 बैच में पारुल माथुर, प्रशांत अग्रवाल, नीतू कमल, डी0 श्रवण और मिलना कुर्रे हैं। इनमें पारुल माथुर को चार्जशीट इश्यू हो गया है। एक और किसी के खिलाफ जांच प्रक्रियाधीन है। नीतू कमल और डी0 श्रवण डेपुटेशन पर हैं। ऐसे में, इस बार आईजी कौन बन पाएगा, ये सरकार ही बता पाएगी। उधर, 2012 बैच के सात आईपीएस डीआईजी प्रमोट होंगे। इनमें आशुतोष सिंह, विवेक शुक्ला, रजनेश सिंह, शशिमोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू शामिल हैं। आशुतोश सीबीआई में चले गए हैं। इसके अलावा 2013 बैच के चार आईपीएस को सलेक्शन ग्रेड मिलेगा। सलेक्शन ग्रेड मिलने के बाद जिलों में पोस्टेड एसपी का पदनाम बदलकर एसएसपी हो जाएगा। इन चार में जितेंद्र शुक्ला, मोहित गर्ग, अभिषेक पल्लव और भोजराम पटेल हैं। भोजराम इस समय मुंगेली के एसपी है।

रिफार्म

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किया जा रहा है। पुलिस में रिफार्म की दिशा में सरकार की एक अच्छी पहल है। मगर मध्यप्रदेश की तरह एक और प्रयोग किया जा सकता है। एमपी के थानों के प्रधान आरक्षकों को विवेचना का पावर दिया गया है। चूकि एएसआई, एसआई और थानेदारों के पास काम का बोझ ज्यादा रहता है इसलिए कम-से-कम छोटे लूट, जेबकटी और 151 जैसे मामलों की विवेचना हेड कांस्टेबल कर ही सकते हैं। इससे फायदा यह होगा कि थानों में केसेज लंबित नहीं रहेंगे। फिर थाने के बड़े अफसर बड़े मामलों की विवेचना में अपना फोकस कर सकेंगे।

कमिश्नर ऑफिस में पुलिस

रायपुर में एक जनवरी से पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होगा या आगे टलेगा, यह 31 दिसंबर के कैबिनेट में तय हो जाएगा। वैसे यह लगभग तय हो चुका है कि नया कमिश्नरेट बिल्डिंग बनने तक डिविजनल कमिश्नर ऑफिस में पुलिस कमिश्नर बैठेंगे। डिविजनल कमिश्नर महादेव कांवड़े नए भवन में शिफ्ट हो गए हैं। सो, कमिश्नर ऑफिस खाली है। उसमें पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने वाला था। मगर जब पुलिस अधीक्षक सिस्टम खतम हो जाएगा तो फिर उस ऑफिस का औचित्य नहीं। ऐसे में, सरकार डिविजनल कमिश्नर कार्यालय में पुलिस कमिश्नर को बिठाने पर विचार कर रही है।

पुलिस में बड़ी उलटफेर

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को देखते पुलिस महकमे में बड़े बदलाव का अंदेशा है। पुलिस कमिश्नरेट के बाद रायपुर ग्रामीण नाम से नया पुलिस रेंज बनेगा। इसका मुख्यालय महासमुंद होगा या रायपुर से कार्य संचालित होगा, इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है। मगर उसके लिए एक अलग आईजी की पोस्टिंग करनी होगी। रायपुर कमिश्नरेट में कम-से-कम तीन आईपीएस की पोस्टिंग की जाएगी। पुलिस कमिश्नर के बाद सबसे अधिक उत्सुकता एडिशनल पुलिस कमिश्नर को लेकर है। किसी जिले के एसएसपी को इस पद पर बिठाया जाएगा। वो रायपुर, जशपुर, बिलासपुर और दुर्ग एसएसपी में से कोई भी हो सकता है।

बदनाम निगम

2009 बैच की आईएएस प्रियंका शुक्ला सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली जा रही हैं। उन्हें मेरा युवा भारत का सीईओ बनाया गया है। उनकी जगह सरकार को समग्र शिक्षा और पाठ्य पुस्तक निगम में एमडी नियुक्त करना होगा। सरकार को पाठ्य पुस्तक निगम को बदनामी से उबारने का प्रयास करना चाहिए। कायदे से वहां ढांचागत बदलाव की जरूरत है। एमडी से अधिक वहां जीएम पावरफुल हो जाते हैं। एमडी का काम सिर्फ कमीशन लेकर चुप बैठना होता है। बाकी काम जीएम संभालते हैं। पापुनि में कागज का टेंडर अलग, प्रिंटिंग का अलग, उसे स्कूलों तक पहुंचाने का अलग टेंडर होता है। जबकि, बाकी राज्यों में सारे कामों का टेंडर एक साथ हो रहा है। मगर अलग-अलग कामों का अलग-अलग टेंडर करने से कमीशन ज्यादा मिलता है। भले ही स्कूलों में टाईम पर किताबें न पहुंच पाए। इस साल दिसंबर बीतने को है, ढेरों स्कूलों में अभी तक किताबें नहीं पहुंची हैं।

कलेक्टरों की वैकेंसी

हाल में राज्य सरकार ने आधा दर्जन जिलों के कलेक्टर बदले। इसके बाद एक लिस्ट और निकल सकती है। दरअसल, दो जिलों के कलेक्टरों को राज्य सरकार ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए एनओसी दे दिया है। जनवरी में हो सकता है भारत सरकार में उनकी पोस्टिंग हो जाए। ऐसे में कलेक्टर पोस्टिंग की एक और लिस्ट निकलेगी। कलेक्टर के दावेदारों के लिए ये गुड न्यूज है...नए साल में जिला मिलेगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. *क्या ये सही है कि पाठ्य पुस्तक निगम की छपने वाली किताबों के पन्नों का वेट 70 जीएसएम से बढ़ाकर 80 जीएसएम किया गया है ताकि बिलिंग ज्यादा हो सके?*
2. *कांग्रेस में प्रियंका गांधी के स्ट्रांग होने से छत्तीसगढ़ कांग्रेस की राजनीति में भूपेश बघेल और मजबूत होंगे?*

अमेरिका में अपने परिवार को धमकी देने वाला भारतवंशी छात्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। अपने ही परिवार को आग के हवाले करने की कोशिश की और उसी के साथ परिजनों को आतंकी धमकी भी दे डाली।

मामला अमेरिका के टेक्सास के रहने वाले एक भारतवंशी युवा छात्र मनोज साई लेल्ला से जुड़ा हुआ है, जिसे उसके परिवार वालों ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने का जिक्र करते हुए दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खरसिया, जिला रायगढ़ (छ.ग.)
- नोटिस -

क्रमांक 2412//प्रस्तु-1/2025 खरसिया, दिनांक 24/12/2025

इस न्यायालय में विचाराधीन अपील प्र.क्र.202507042900036/ अ-6/2024-25 पक्षकार मोठ रज्जाक कुरैशी एवं 01 अन्य बनाम मो. हनीफ कुरैशी वारिसान 01 से 19 अन्य वगैरह, ग्राम तेलीकोट, प.ह.नं. 20 में निम्नांकित उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे इस प्रकरण में नियत दिनांक 09/01/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम उपस्थित होना सुनिश्चित करें, नियत तिथि में अनुपस्थित रहने पर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

उत्तरवादी/अनावेदक का नाम व पता इस प्रकार है:-
1. शकिल कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, **2.** इशराईल कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, **3.** शिराज कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, **4.** शाहीन कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, **5.** नजमा कुरैशी वल्द स्व. हाजी हनीफ कुरैशी, पता-वार्ड नं. 18 कुरैशी विला, रेलवे स्टेशन के पास सक्ती, तहसील व जिला सक्ती (छ.ग.) **6.** अकिल कुरैशी पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- गौसिया मस्जिद के पास संतोषी नगर रायपुर (छ.ग.) **7.** इम्तियाज कुरैशी पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- वार्ड नं. 62 आसिया आउस के पीछे गली न. 6 सोलानी नगर संजय नगर रायपुर छ.ग. **8.** अनीश कुरैशी पिता स्व हनीफ कुरैशी, पता-डा.जाकिर हसन वार्ड नं. 34 अयान मार्ग रोड बाजार तालाब के नजदीक रसूलपुर अम्बिकापुर **9.** सलमा खान पिता स्व. हनीफ कुरैशी, पता- एलुन फिरदौशी कोईफिजा कालोनी ओपीएस स्कूल अम्बिकापुर **10.** सितारा खान वल्द फिरोज खान, पता मोहन नगर ठाकुर कालोनी दुर्ग **11.** सईमा खान वल्द मो. समद खान, **12.** शहिला खान वल्द मो. समन खान, **13.** शब्बीर खान वल्द मो. समन खान, **14.** शब्बार खान वल्द मो.समन खान, सभी निवास केशकाल जिला कोडागांव

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
खरसिया

कार्यालय नगर पालिक निगम,
रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 9922/न.पा.नि./2025 रायगढ़, दिनाँक 26-12-25

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि रु. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	182417	CONSTRACTION OF BOUNDARY WALL AT NEAR SWAN SEWA KENDRA TRANSPORT NAGAR, RAIGARH.	14.96	19.01.2026
2	182421	CONSTRACTION OF SIYAN CHAUPAL NEAR NEW MARIN DRIVE ROAD AT W.N. 20 (4th Call)	34.94	06.01.2026
3	182433	CONSTRACTION OF RCC DRAIN FROM ROSHAN PATEL TO TALAB AT W.N. 48 (2nd Call)	16.08	12.01.2026
4	182437	CONSTRACTION OF DRAIN FROM CHAMDA GODAM INFRONT OF PUBLIC TOILET AT W.N. 38 (2nd Call)	12.97	12.01.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि.रायगढ़

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यतानुसार **संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06-जे. शुक्ला कॉम्पलेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

ड्रायवर

आवश्यकता है- शंकरनगर ऑफिस में - (1)कार चलाने हेतु अनुभवी, कुशल ड्राईवर (2)ऑफिस गर्ल की आवश्यकता है जो ऑफिस की साफ-सफाई व अन्य कार्यों में सहायता करें। बायोडाटा सहित **संपर्क करें:- 9300532000 / 9893132000.** (RO-1700)

सेल्सकर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें- डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड, रायपुर- 8109135400, 9179380728.** (RO-976)

सेल्समैन/सप्लायर

आवश्यकता है- एजेंसी में काम करने हेतु ऑफिस स्टाफ (पुरुष एवं महिला), सेल्समैन एवं सप्लायर की आवश्यकता है। (वेतन योग्यता अनुसार +रहने की सुविधा) **संपर्क- अंबिका इंडस्ट्रीज, प्रोफेसर कॉलोनी रायपुर 99934-33481, 79870-90041.** (RO-438)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- Hiring Office Staff– Shankar Nagar (1)Web Developer (2)IT Support (3)Tele-Caller/Front Desk(Female) (4)Marketing Executive (5)Video Editor & YouTube Manager (6)Digital Marketer (7)Computer Trainer(Female) Freshers/Experienced. Immediate joining. 9300532000, 8878228031.(RO-1700)

ऑफिस/रिसेप्शनिस्ट कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं रिसेनिप्स्ट कार्य के लिए लड़कियों की जरूरत है। **संपर्क करें - DA SPARK PVT. LTD. भाटागांव चौक ,रिंग रोड न.1, रोशन हाइट्स नियर वृन्दावन मैरिज पैलेस रायपुर 9238536535, 7049090121.**(RO-D)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मसूढ़े, पायरिया, ओरल कैंसर, टूटे जबड़ों के ईलाज हेतु संचालित क्लीनिक और हॉस्पिटल को एक मेडिकल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव रायपुर के आसपास के क्षेत्रों में एवं घूमकर डॉक्टर्स, हास्पिटलों में मिल सके बाइक अनिवार्य, मेडिकल मार्केटिंग अनुभवी को प्राथमिकता **बायोडाटा 9300416538 पर भेजें।** (RO-1636)

साफ सफाई कार्य

आवश्यकता है- दुकान में साफ सफाई और अन्य कार्य के लिए लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क: शॉप नंबर-19 प्रथम तल, समवेत शिखर परिसर, रजबंधा मैदान, रायपुर 7974909530.**(RO-441)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

नर्सिंग स्टॉफ

आवश्यकता है- शहर के प्रतिष्ठित संस्थान द कॉस्मे केयर में नर्सिंग स्टॉफ 2पद, क्लीनिकल असिस्टेंट 2पद एवं रिसेप्शनिस्ट 2पद की तत्काल आवश्यकता है। **सम्पर्क करें- विधानसभा रोड स्वर्णभूमि रायपुर 9753808436** (RO-39483)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रायपुर एवं रायगढ़ में इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट मार्केटिंग हेतु अनुभवी लड़के कि जरूरत है स्वयं की गाड़ी हो सैलरी योग्यतानुसार Yamico industries Raipur Contact: 9300009333, 9343109211(RO-0312)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वीं, 12वीं, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री , ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना **सम्पर्क करें- 6261667355, 9111300616** (Ro- 524)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10 युवक/युवतियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 12000 तक भिलाई/दुर्ग वाले को प्राथमिकता, **मो- 78038-56087, 82694-65640, 91094-79330.** (आरो न.- 697)

अधिवक्ता

आवश्यकता है- भिलाई में लीगल कार्य हेतु अधिवक्ता की आवश्यकता है। कार्य फुलटाईम/ पार्टटाईम वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा वॉट्सएप करें :-मों.- 99078-47688.(आरो4127)

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद "तलाश की नई सुबह" तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड 6263818152

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। **मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई 9669164000, 9165929000.**(RO-Aditya)

Business व्यापार

निशुल्क प्रशिक्षण (बिजनेस)- घर से ऑनलाइन-ऑफलाइन काम करने का व्यवसायिक अवसर। 25 वर्षों के अनुभवी कोच द्वारा रायपुर में निशुल्क प्रशिक्षण। रजिस्ट्रेशन हेतु अपने डिटेल्स व्हाट्सएप करें। मो.- 92292-63207 (आरो नं.- 10333)

Property प्रापर्टी

दुकान

बेचना है- प्रीमियम शॉप स्पेस फॉर सेल शहीद स्मारक काम्पलेक्स अपोजिट नवभारत प्रेस ग्राउंड फ्लोर 02 शॉप प्रत्येक शॉप 550 स्क्वायर फीट **संपर्क- 9431103284, 9955712450.** (RO-6595)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - कमर्शियल प्लाट बेचना भाठागांव से काठाडीह रोड देशी दारू भट्टी के पहले बस स्टैंड से 2 किलोमीटर के दूरी में , कमर्शियल डायवर्सन बैंक फाइनेंस का सुविधा ,होटल,हॉस्पिटल, या व्यवसायिक कंपलेक्स हेतु उपयोग **संपर्क करें 8871579481.** (RO-4053)

प्लॉट बेचना है - चरोदा में सी जी हाउसिंग कॉलोनी के पास डायवर्टेड प्लाट 2500 वर्गफिट प्राइम लोकेशन मैं स्थित अतिशीघ्र बेचना है.... **संपर्क 9893259946, 9407985146** (आरो न.-696)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मकान/प्लाट

बेचना है - चौबे कॉलोनी, मेन रोड पर रेडी टू यूज़ मकान और अग्रसेन चौक, समता कॉलोनी में 2800 वर्गफुट प्लाट उपलब्ध हैं। न्यू धमतरी रोड, रायपुर की तरफ कोडेबोड में 1.22 एकड़, (400 वर्गफुट फ्रंट, दो रोड वाली पूर्वमुखी) जमीन बेचना है:- राइस मिल, गोदाम, फैक्ट्री, भविष्य निवेश आदि हेतु उपयुक्त। **9300593000.**(RO-7241)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
पंजाबी युवक बिलासपुर (छ.ग.) निवासी शिक्षित उम्र 31 वर्ष 6 माह हाइट 5 फुट 5 इंच, स्वयं का व्यवसाय संपन्न परिवार हेतु शिक्षित कन्या चाहिये।
-:सम्पर्क करें:-
9039965807

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वर चाहिए

वर चाहिए- अहिरवार (SC) 28 वर्ष 5'6'' (तलाकशुदा) असिस्टेंट प्रोफेसर (PHD IN PHARMACY) हेतु सक्षम वर चाहिए, कृपया मैरिज ब्यूरो क्षमा करें, संपर्क करे- 97523 78176, 91091888890 (35441)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

मशीन

बेचना है- प्लास्टिक जरीकेन (गेलन) बनाने की ब्लो मोल्डिंग मशीन 3 नग चालू हालत में 1 ली. से 35 ली. तक जरीकेन की डाई (मोल्ड) एवं कंप्रेसर, ग्राइंडिंग, मिक्सर मशीन बेचना है। बिजली सामान सहित, **संपर्क भगवती प्रसाद शर्मा भाटा गांव चौक रायपुर छत्तीसगढ़ - 9425216136.**(RO-6514)

Available उपलब्ध

सुपर मार्केट सेटअप

बिक्री- बिक्री हेतु पूरा सुपर मार्केट सेटअप उपलब्ध है डिस्पले रैक, चिलर, फ्रिज, इलेक्ट्रिकल ट्यूबलाइट्स, कैश काउंटर एवं अन्य फिक्स्चर। अच्छी तरह से मेंटेन किया हुआ। **स्थान: श्याम नगर, रायपुर Whatsapp 8591607162.**RO-6516)

हरिभूमि क्लासीफाईड

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP
(Runing Matter) 500 /-1 Sunday, 900 /-2 Sunday, 1200/-3 Sunday
(Size 5x1 Box) 800 /-1 Sunday, 1200 /-2 Sunday, 1500/-3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही है।
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
रायपुर, रविवार
28 दिसंबर 2025
P-6
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

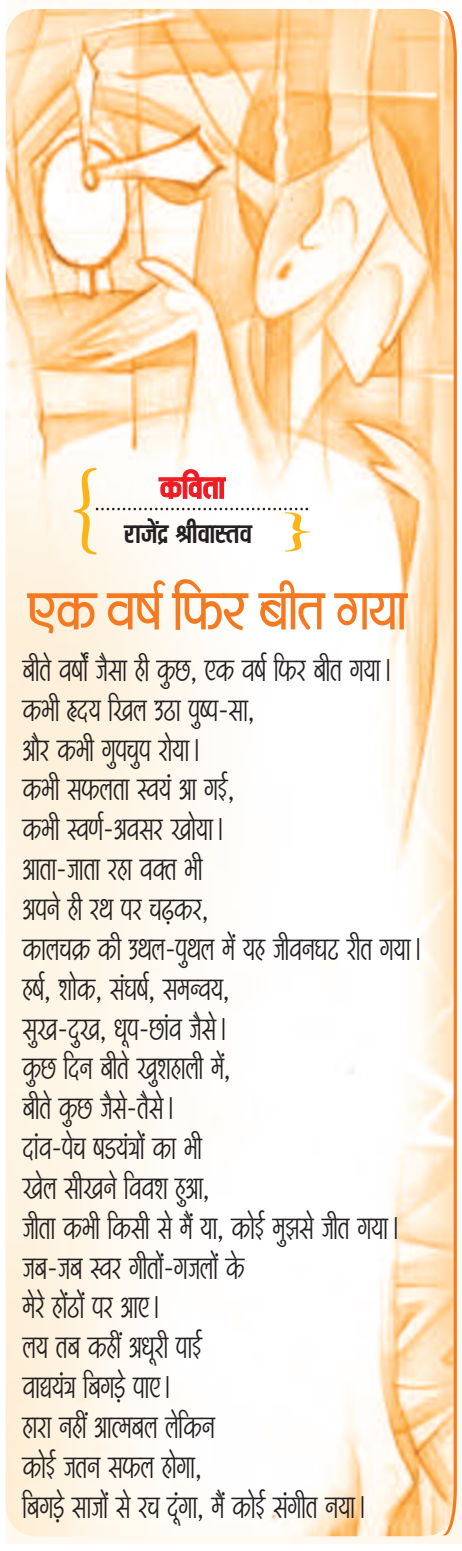

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुराते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

विरोध के बाद भी भारत के साथ एफटीए, फूले नहीं समा रहे न्यूजीलैंड के पीएम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

इसी सप्ताह की शुरुआत में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन गदगद नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में समझौते के बाद से लेकर आज तक वो इसकी प्रशंसा करते नहीं थकते।

शनिवार को अपनी ऐसी ही एक प्रशंसा वाली एक्स पोस्ट में लक्सन ने एफटीए को लेकर लिखा, 'हमने अपने कार्यकाल में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने का वादा किया था। जिसे हमने पूरा किया है। इस ऐतिहासिक समझौते से 14 लाख भारतीय उपभोक्ताओं के लिए द्वार खुलेंगे। जिससे अधिक रोजगार, आय और अधिक निर्यात संभव होगा। उन्होंने पोस्ट में ये भी बताया कि इस एफटीए का उद्देश्य बुनियादी चीजों को ठीक करना और भविष्य का निर्माण करना है'।

22 दिसंबर को हुई थी एफटीए की घोषणा

ज्ञात हो कि बीते 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद भारत और न्यूजीलैंड के शीर्ष नेताओं ने दोनों देशों के बीच एफटीए होने की घोषणा की थी। जिसे लेकर वार्ता की शुरुआत इसी साल मार्च महीने पीएम लक्सन की भारत यात्रा के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए के ऐलान के बाद एक्स पोस्ट में कहा था कि इसकी मदद से दोनों देशों के बीच आगामी पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना हो जाएगा। इसके अलावा आगामी डेढ दशक में न्यूजीलैंड भारत में विभिन्न क्षेत्रों में 20 बिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

- बोले, इस मुक्त व्यापार समझौते से देश में रोजगार और आय में होगी वृद्धि
- अपने विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स के विरोध को किया खारिज

डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेगा भारत: गोयल

वहीं, समझौते के पक्ष या विपक्ष में खड़ी होती इन आवाजों के बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बीते दिनों दो टूक अंदाज में न्यूजीलैंड को ये साफ कर चुके हैं कि हम उनके लिए किसी भी सूरत में अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलेंगे। इस बात का जिक्र एफटीए में भी कहीं पर नहीं किया गया है। भारत के लिए डेयरी क्षेत्र एक रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा है। जिसे लेकर कोई समझौता नहीं किया गया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए 7 एफटीए

गोयल ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा था कि न्यूजीलैंड के साथ हुआ एफटीए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते पांच वर्षों में हुआ सातवां एफटीए है। 2021 में भारत और मॉरीशस के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग भागीदारी समझौता (सीईसीपीए) हुआ था। इसके अगले साल 2022 में भारत-यूएई के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईपीए) हुआ। 2022 में ही भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच एफटीए हुआ। 2024 में भारत-ईएफटीए के बीच समझौता हुआ। जबकि मौजूदा साल 2025 में भारत-ब्रिटेन, भारत-ओमान के बाद अब भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है।

विंस्टन पीटर्स का विरोधी तर्क

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने भारत के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि ये समझौता न्यूजीलैंड के लिए किसी भी लिहाज से लाभप्रद नहीं है। बल्कि यह हमारे देश के लिए एक खराब समझौता है। इसे न ही स्वतंत्र कहा जा सकता है और न ही ये निष्पक्ष एफटीए है। उन्होंने ये भी कहा कि न्यूजीलैंड की सरकार ने समझौते को लेकर पर्याप्त लाभ सुरक्षित किए बिना जल्दबाजी में इस पर अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। पीटर्स ने कहा कि मैंने हालांकि अपने भारतीय समकक्ष विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर को एफटीए के विरोध से जुड़ी अपनी पार्टी की भावनाओं से अवगत करा दिया है। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है कि मेरे मन में उनके लिए सम्मान नहीं है। मेरे मन में जयशंकर के लिए अत्यधिक सम्मान है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर

तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञापन क्रमांक-97, दिनांक : 22.12.2025

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर में स्वविंतीय सामान्य आवास योजनांतर्गत नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-12, फेस II अंतर्गत विभिन्न प्रकार के प्रस्तावित 05 नग सीनियर एच.आई.जी., 19 नग जूनियर एच.आई.जी. (ए), 186 नग सीनियर एम.आई.जी., 62 नग जूनियर एम.आई.जी.-1, 76 नग जूनियर एम.आई.जी. कुल 348 नग स्वतंत्र भवनों का निर्माण, ट्रांजिट हॉस्टल (जी+2), 28.04 हेक्ट. (69.30 एकड़) भूमि पर बाउण्ड्रीवॉल निर्माण एवं 11.82 हेक्ट. (29.30 एकड़) भूमि का विकास कार्य हेतु "प्रपत्र अ" प्रतिशत दर में ग्रो-क्वालिफिकेशन आधार पर एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत वर्ग-'अ' श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा संबंधी अन्य जानकारी मण्डल वेबसाइट www.cghb.gov.in एवं कार्यपालन अभियंता, राजधानी परियोजना संभाग, नवा रायपुर अटल नगर के फोन नं. 9424209041 पर संपर्क करें।

S-46371/2 कार्यपालन अभियंता

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. 53-SBP-TRD-OT-2025-26, दिनांक : 22.12.2025

कार्य का नाम : 02 वर्ष की सावधानिक हेतु सम्बलपुर मण्डल में खारियार रोड डिपो (बागबाहरा - हरिशंकर रोड (Ex)), रेढ़ाखोल डिपो (जुजुमुरा (Ex) - सरागीपालि (Ex) एवं भवानीपाटना डिपो (लांजीगढ़ (Ex) - जूनागढ़ रोड) सेक्शन में OHE रखरखाव गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।

अनुमानित लागत (₹) : 1,85,32,094.58, EMD (₹) : 2,42,700.00, निविदा दस्तावेज की लागत (₹) : 5,900/-, पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 13.01.2026 को 1530 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही वह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), सम्बलपुर

PR-942/Q/25-26

जैकेट के शेष

गाजीनगर वोटर लिस्ट बड़ा...

ही नहीं था, वे सभी किराए के मकान में रहते थे, इसलिए इन वोटरों ने एक ही मकान का पता दे दिया था। लोग मकान का नाम जुड़वाते रहे और दूसरी जगह रहते गए लेकिन पता नहीं बदलवाया। कमेटी की जांच के बीच हरिभूमि की टीम भी शनिवार को गाजी नगर के ऐसे कई वोटरों के घर पहुंची, जिनके नाम जांच की जाने वाली सूची में शामिल थे। इस दौरान इन वोटरों ने भी बताया कोई 13 वर्ष तो कोई 15 साल पहले उस मकान में रहता था, जहां का पता अभी भी मतदाता सूची में दर्ज है।

एक मकान में 88 वोटरों का पता, इनमें 56 मिले, बाकी की तलाश जारी : बताया गया कि एक मकान में 88 वोटरों का पता मतदाता सूची में दर्ज है। इन वोटरों का भी बीएलओ घर-घर जाकर ढूंढ रहे हैं। शनिवार तक जांच में इनमें से 56 वोटरों का पता लगा लिया गया है, जो अपना ठिकाना बदल दिए हैं। ये सभी वोटर भी किरायेदार हैं। हालांकि इनमें से करीब 10 से 15 लोग अब खुद का मकान बनाकर उसमें शिफ्ट हो चुके हैं।

95 प्रतिशत से अधिक...

एक कमेटी बनाकर उनकी जांच कराई जा रही है। इस जांच कमेटी में तहसीलदार, नगर निगम के अधिकारी से लेकर क्षेत्र के पटवारी एवं बीएलओ को शामिल किया है। शुक्रवार से यह टीम एक ही पता वाले संदिग्ध वोटरों तथा उनके ठिकाने का पता लगा रही है। अफसरों से जानकारी मिली है कि जिन वोटरों के नाम गड़बड़ वाली सूची में शामिल हैं, उनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा के ठिकाने मिल चुके हैं। ये सभी गाजी नगर में ही रहते हैं, लेकिन अपना ठिकाना बदल दिया है।

बीएलओ ने हरिभूमि की ...

पता जनगणना में लिखाया था। अब उन्होंने किराए का मकान बदल दिया है, लेकिन पता अभी भी उसी मकान का है। बीएलओ ने इस परिवार को फार्म-8 देकर पता बदलाने के लिए कहा है।

जांच रिपोर्ट आना...

एसआईआर भी कराया नहीं गया है। अधिकारियों की मानें तो कल तक जांच पूरी हो जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट का अधिकृत रूप से खुलासा किया जाएगा।

महिला टीआई को ...

एंबुलेंस में आग लगा दी। आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया। बेकाबू भीड़ को काबू करने पुलिस ने जमकर लाठी भी भांजी। देर शाम तक क्षेत्र में तनाव का माहौल था, जिससे पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने करीब 20 ग्रामीणों को गिरफ्तार भी कर लिया है।

तमनार में कोयला खदान के खिलाफ चल रहा ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को हिंसक रुप ले लिया। दरअसल तमनार के धौराभाठा गांव में 8 दिसंबर को जिंदल कोयला खदान को लेकर नियम विरुद्ध हुई जनसुनवाई के विरोध में ग्रामीण बीते 20 दिनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को तमनार क्षेत्र के सीएचपी चौक पर सामाजिक कार्यकर्ता सहित सैकड़ों महिला-पुरूष चक्काजाम कर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भारी संख्या में पुलिस बसों व चार पहिया वाहनों में पहुंची और प्रदर्शन कर रहे महिला-पुरूषों को जबरदस्ती उठा कर गिरफ्तार करने लगे। यह इसलिए किया जा रहा था कि ग्रामीणों के प्रदर्शन से संबंधित उद्योगों की गाड़ियों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया था और उद्योग को नुकसान उठाना पड़ रहा था। जिस पर पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया तो ग्रामीण भी आक्रोशित हो उठे।

सीएचपी चौक में पुलिस पर पथराव : खुरुसलेंगा गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच भिड़ंत की जानकारी मिलने पर सीएचपी चौक पर मौजूद ग्रामीणों का भी गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद भीड़ ने पुलिस पर पथराव करते हुए एसडीएम के कार, एंबुलेंस और एक बस में आग लगा दी। जिसके जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी लाठी लेकर ग्रामीणों को दौड़ाना शुरू कर दिया।

एक्सीडेंट के बाद हुआ बवाल : बताया जा रहा है कि पुलिस द्वारा ग्रामीणों के गिरफ्तारी से रास्ता साफ होने लगा, तभी उक्त उद्योग का एक वाहन वहां से निकल कर आगे की ओर रवाना हुआ और तमनार के ही खुरुसलेंगा गांव में एक स्थानीय युवक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद वहां के ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और वाहन चालक को गाड़ी के सामने बांध कर उसे पीटना शुरू कर दिया। इसकी जानकारी टीआई कमला पुसाम को हुई तो वो सीएचपी चौक से तत्काल खुरुसलेंगा रवाना हुई। जहां आक्रोशित महिलाओं ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में टीआई को गंभीर चोट आई और वह बेहोश हो गई। बेहोश होने के बाद वहां की महिलाओं ने ही पानी पिलाई। बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एसडीओपी, टीआई सहित ...

लगभग 300 लोगों की भीड़ थी।उनमें से कुछ लोगों के द्वारा सड़क पर बैठकर सामान्य आवागमन को बाधित किया जा रहा था। इसके लिए सुबह 10 बजे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, एडिशनल एसपी के द्वारा लोगों को समझाइश देकर वापिस उन्हें धरना के लिए लगाए गए टेंट पर वापस करा दिया गया। समय-समय पर भीड़ उग्र होती रही तथा सामान आवागमन को बाधित करने का प्रयास करती रही। उक्त भीड़ को एसडीएम घरघोडा व पुलिस अधिकारियों द्वारा लाउडस्पीकर से उन्हें बार बार समझाइश तथा शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन हेतु अपील की जा रही थी। लगातार आस-पास के गांवों से लोग जमा होते जा रहे थे जिनकी संख्या लगभग 1000 के आस-पास थी। अचानक लगभग दोपहर ढाई बजे भीड़ बेकाबू हो गई और बैरियर को तोड़ते हुए पत्थर एवं डंडों से वहां उपस्थित पुलिस पर टूट पड़ी। उपद्रवी भीड़ ने जमकर लाठी डंडे बरसाए। जिससे एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा, थाना प्रभारी तमनार कमला पुसाम तथा एक आरक्षक को गंभीर चोट आई तथा कई पुलिस के जवान और महिला आरक्षक घायल हैं, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनियंत्रित भीड़ द्वारा मौके पर पुलिस की बस, जीप, एंबुलेंस को आग लगा दी गई तथा कई शासकीय वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसके पश्चात अनियंत्रित भीड़ जिंदल के कोल हैंडलिंग प्लांट सीएचपी की ओर बढ़कर अंदर घुसकर कन्वेयर बेल्ट तथा दो ट्रैक्टर व अन्य वाहन को आग लगा दी गई तथा ऑफिस में भी उत्पात मचाकर तोड़फोड़ की गई। भीड़ को समझाइश देने के लिए विधायक, लैलूंगा विद्यावती सिदार, कलेक्टर रायगढ़ एवं पुलिस अधीक्षक रायगढ़ के द्वारा मौके पर जाने पर भीड़ उग्र होते हुए पथराव किया गया तथा पुनः सीएचपी प्लांट की ओर जाकर प्लांट के अंदर आगजनी की घटना की गई।

21 दिनों तक मां के शव के ...

दिनों से कमरे से तेज बदबू आ रही थी। शक होने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का ताला तोड़ा। अंदर का नजारा देखकर सबकी रूह कांप गई। बिस्तर पर सबीना खलखो की लाश पूरी तरह सड़-गल चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूछताछ में बेटे प्रवीण ने बताया कि मां की तबीयत खराब थी और 6 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। हैरानी की बात यह है कि मां की मौत के बाद भी वह उसी घर में सामान्य तरीके से रह रहा था।

पेज एक के शेष

गरीबों को भी नहीं छोड़ा, मोर...

2022 से शुरू हुई थी। इस दौरान राज्य में कांग्रेस सरकार थी। उसके बाद भी वसूली की राशि नहीं लौटाई गई। सीएजी ने इसे गलत माना है।

गरीबों की जगह दूसरों...

या आवंटित किया गया था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत प्रदान की गई केंद्रीय सहायता का लाभ इच्छित हितग्राहियों तक नहीं पहुंचा, क्योंकि भागीदारी में किफायती आवास की योजना आरम्भ में राज्य सरकार द्वारा केवल स्लम निवासियों के लिए बनाई गई थी।

गरीबों की जगह दूसरों को मिला...

या आवंटित किया गया था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत प्रदान की गई केंद्रीय सहायता का लाभ इच्छित हितग्राहियों तक नहीं पहुंचा, क्योंकि भागीदारी में किफायती आवास की योजना आरम्भ में राज्य सरकार द्वारा केवल स्लम निवासियों के लिए बनाई गई थी।

ये है सीएजी रिपोर्ट में सामने...

मोर आस योजना में 10 हजार 903 आवासीय इकाईयां आवंटित की गईं। योजना के तहत आवंटित आवासों के लिए हितग्राहियों का अंशदान प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में 16 प्रतिशत (0.75 लाख) के स्थान पर 68 प्रतिशत (3.25 लाख) था। इस प्रकार, अंशदान का अधिक हिस्सा हितग्राहियों से वसूल किया गया और राज्य के हिस्से के अंशदान का भार भी हितग्राहियों पर स्थानांतरित कर दिया गया। 11 शहरी स्थानीय निकायों में, मार्च 2025 तक 10.903 हितग्राहियों को आवासीय इकाईयों के आवंटन के विरुद्ध 187.76 करोड़ रुपए का अतिरिक्त अंशदान प्राप्त किया गया।

अब सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस, राहुल बोले...

अभियान' शुरू करने का फैसला किया है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दल एकसाथ खड़े होंगे। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मनरेगा खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और ऐसा करते समय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा कैबिनेट से विचार-विमर्श नहीं किया गया। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा पर विस्तार से चर्चा हुई और इसमें शामिल 91 नेताओं ने एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की शपथ ली। कार्य समिति की बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ (आरएसएस) की 'संगठन शक्ति' की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी। हालांकि, उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं, और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, लोकसभा सदस्य शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बैठक में मौजूद नहीं थीं। बैठक में यह फैसला किया गया कि पांच जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान का पूरा कार्यक्रम पार्टी द्वारा अगले एक-दो दिनों में जारी किया जाएगा। बैठक के बाद खरगे ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में यह शपथ ली गई कि मनरेगा योजना को प्रमुख बिंदु बनाकर सारे देश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी। **बिना सलाह थोप दिया नया कानून** : खरगे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन या मूल्यांकन के, राज्यों से या राजनीतिक दलों से सलाह-मशविरा के बिना इसे खत्म करके नया कानून थोप दिया। उन्होंने कहा कि यह सारा काम तीन काले कृषि कानूनों की भांति किया गया। खरगे ने इस बात पर जोर दिया, इस समय देशव्यापी आंदोलन की जरूरत है। इसका पुरजोर विरोध देश के हर कोने में होना चाहिए, क्योंकि इसके पहले जनवरी 2015 में जब मोदी सरकार ने कॉरपोरेट हितों में भूमि अधिग्रहण कानून बदला तो कांग्रेस के लोग सड़कों पर उतरे और सरकार को पीछे हटना पड़ा।

चरचा कॉलरी में महसूस किए ...

15 किमी गहराई पर मापी गई, इसके चलते चरचा कालरी में मध्यम तीव्रत का भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान चरचा कॉलरी के कई लोग अपने घरों के बाहर निकल गए, वहीं कई लोगों को सही जानकारी भी नहीं हो सकी। हल्के झटके के चलते ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं हो पाई, लेकिन कुछ लोगों ने झटकों को महसूस किया और वे तत्काल अपने घर के बाहर निकल गए, इसके बाद अन्य लोगों को भूकंप के बारे में पता चल सका। आए भूकंप से चरचा कॉलरी एवं आस-पास के क्षेत्रों में किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

घर में घुसकर समर्पित नक्सली ...

और घटना को अंजाम दिया। मृतक ग्रामीण युवक पूर्व में नक्सली रहा चुका था और सरेंडर करने के बाद सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था। एर्रापल्ली गांव में पहुंचे नक्सलियों के स्मॉल एक्शन टीम ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी से हत्या करने के बाद मौके से फरार हो गए। ग्रामीण की हत्या के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक पुनेम वर्तमान में गांव में ही खेती किसानी कर अपना और अपने परिवार का भरणपोषण कर रहा था। नक्सलियों ने शुक्रवार को घटना को जब अंजाम दिया, तब पुनेम अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। घर पर पहुंचे नक्सलियों के आवाज देने पर जैसे ही परिवार वालों ने घर का दरवाजा खोला, नक्सली उसके घर में घुस आए और पुनेम बुधरा को पकड़कर घर से बाहर निकाला और उसकी नृशंस हत्या कर दी। पुलिस की मुखबरी के संदेह में अब तक बीजापुर जिले में ही दर्जनों निर्दोष ग्रामीण, शिक्षादूत, ठेकेदार व अन्य की हत्या कर चुके हैं।

रायपुर सहित प्रमुख ...

है। इससे राज्य की कनेक्टिविटी, व्यापार, उद्योग तथा पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित इस योजना से छत्तीसगढ़ जैसे उभरते हुए राज्य को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर जंक्शन देश के प्रमुख रेल जंक्शनों में से एक है। यहां प्रतिदिन लाखों यात्री आवागमन करते हैं। संचालन क्षमता दोगुनी होने से लोगों को अधिक ट्रेनें, बेहतर आवृत्ति तथा कम भीड़भाड़ का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर के साथ-साथ अन्य औद्योगिक और वाणिज्यिक नगरों के लिए भी यह योजना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। रेल संरचना के विस्तार से निवेश, रोजगार और लॉजिस्टिक्स की सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में रेलवे के दीर्घकालिक विकास के लिए रावघाट-जगदलपुर, धरमजयगढ़-लोहरदगा और खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा जैसी कई नई रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। रावघाट रेलवे लाइन के अन्तर्गत दल्लीराजहरा-अंतागढ़ (77 किमी) सेक्शन चालू, यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है। रावघाट तक विस्तार कार्य प्रगति पर, जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति होगी और ग्रामीणों को किफायती यातायात सुविधा मिलेगी। इसी तरह के.के. रेल लाइन दोहरीकरण के अन्तर्गत 170 किमी में से 148 किमी का कार्य पूर्ण हो चुका है। इससे बस्तर और दंतेवाड़ा जिले की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। आवागमन आसान और माल परिवहन सुविधाजनक हो सकेगा। 4021 करोड़ रूपए की लागत वाली डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा रेल लाइन परियोजना की लंबाई 295 किमी है। इसके निर्माण से खनिज परिवहन, यात्री सुविधाएं और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कोरबा-अंबिकापुर नई रेल लाइन से सरगुजा क्षेत्र को नए विकास की दिशा मिलेगी। गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली 490 किमी लंबी परियोजना के सर्वेक्षण के लिए 12.25 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। सरडेगा-भालुमुडा डबल लाइन से ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर

दूरभाष 0771-2439564, फैक्स - 0771-2331525,2446556, वेबसाईटः www.psc.cg.gov.in

क्रमांक / 1339/परीक्षा/ 2025/ नवा रायपुर, दिनांक 26.12.2025

सूबेदार/ उप निरीक्षक संवर्ग / प्लाटून कमाण्डर (गृह (पुलिस) विभाग) परीक्षा - 2024 के दस्तावेज एवं शारीरिक माप परीक्षण हेतु समय सारणी

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के विज्ञापन क्रमांक 02/2024 / परीक्षा दिनांक 21/10/2024 रोजगार एवं नियोजन में प्रकाशन की तिथि 30/10/2024 के तहत सूबेदार / उप निरीक्षक संवर्ग / प्लाटून कमाण्डर (गृह (पुलिस) विभाग) परीक्षा - 2024 के दस्तावेज एवं शारीरिक माप परीक्षण हेतु जिला सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, रायपुर एवं राजनांदगांव (छ.ग.) के निर्धारित केन्द्र पर आयोजित की जाएगी, जिसकी समय सारणी निम्नानुसार है :-

DATE	Reporting Time	PST TIME
06-01-2026 To 06-02-2026	07:00AM	08:00 AM

आयोग द्वारा प्रवेश पत्र दस्तावेज एवं शारीरिक माप परीक्षण के 10 दिवस पूर्व जारी किया जावेगा। अभ्यर्थी आयोग के वेबसाईट www.psc.cg.gov.inसे प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना व्यक्तिशः नहीं भेजी जायेगी।

अवर सचिव
छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

G-252605717/2

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. DYCEGSUWAT ENGG2025011, दिनांक : 04.12.2025

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे में वाल्टियर मण्डल के दंडुगोपालपुरम-कोटबोम्माली स्टेशन के बीच कि.मी. 708/3-5/17-19 पर मौजूदा मानवयुक्त समपार-396 के बदले में RE वॉल के साथ ब्रिज के पहुँच मार्ग सहित (1X42 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2X18 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 8X24.0 मीटर RCC T-BEAM गर्डर) के साथ रोड ओवर ब्रिज का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 52,90,62,270.33, EMD : ₹ 27,95,300/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को उनके लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य अभियन्ता (GSU)/ वाल्टियर

PR-200/CI/25-26

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भंडार प्रबंधन विभाग

ई–टेंडर नोटिस नं. एन.आई.टी/14/25/56, तिथि :– 23–दिसम्बर–2025

क्र. सं.	निविदा सं.	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1	04255052B	16.5 एमव्हीए ओएनएएन 55 केव्ही/ 27.5 केव्ही 50एचजेड ऑटो ट्रांसफोरमर विथ बुशिंग सीटी, ऑयल एंड अदर ईक्वीपमेंट	14-01-2026	16 नग
2	03252673B	योक फॉर अपग्रेडेड हाई टेंसिल सेंटर बफर कपलर फॉर बॉक्सएनएचएल/ बीसीएनएचएल वैगन	14-01-2026	1606 नग
3	05255385	केबल पीव्हीसी इंसुलेटेड हेवी ड्यूटी आरमाउर्ड अनस्क्रिन्ड पावर केबल 2 कोर x 70 एसक्यू. एमएम.	12-01-2026	65 किलोमीटर
4	05255403	24/48 फाइबर अरमाउर्ड ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी केबल)	15-01-2026	126.5 किलोमीटर
5	06250094B	रनिंग कॉंट्रेक्ट फॉर "सप्लाए ऑफ इम्प्रूव्ड स्विच एक्सपेंशन जॉईंट–60 केजी टू आरडीएसओ डीआरजी.नं. टी–6902 (एल्ट–5)"	16-01-2026	740 सेट
6	06250082B	रनिंग कॉंट्रेक्ट फॉर द सप्लाए ऑफ "10125 एमएम थिक वेब स्विचेस–60 केजी 1 इन 12 एज पर आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी–6155, एल्ट–13"	15-01-2026	770 सेट
7	06250095A	रनिंग कॉंट्रेक्ट फॉर "सीएमएस क्रॉसिंग 60 केजी 1 इन 12 कनफर्मिंग टू आरडीएसओ डीआरजी. नं. टी–4220 एल्ट–8"	15-01-2026	1175 सेट
8	04255094	रनिंग कॉंट्रेक्ट फॉर अन–इंसुलेटेड कैडमियम कॉपर केटेनरी वायर 65 एसक्यू एमएम (19/2.10 एमएम)	14-01-2026	590 एमटी
9	08256973	फाकोएमुल्सीफिकेशन विथ व्हिट्रेक्टोमी मशीन हेविंग स्ट्रेट कटर	02-01-2026	1 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समय : At 10:30 बजे।

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है। शुद्धिपत्र और ई–खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीपीआर/10/566 सहायक सामग्री प्रबंधक–III, कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत गुरुर, जिला- बालोद छ.ग.

कं. / 1338 / राजस्व/न.पं./2025-26 गुरुर दिनांक 26/12/ 2025

द्वितीय प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं इच्छुक व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत गुरूर अधीनस्थ तहसील कार्यालय के सामने वार्ड क्रमांक 13 पर व्यवसायिक परिसर निर्माण (स्ववित्त / पीपीपी मोड में) किया जाना प्रस्तावित है। जिसमे नगर पंचायत द्वारा दुकानों की निलामी कर आबंटित किये जाने हेतु निर्धारित दरों / शर्तो पर निविदा दर प्रस्ताव द्वि-लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट के माध्यम से सील बंद लिफाफे में निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है:-

1. कार्यालय में निविदादर / बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि । - 12.01.2026 कार्यालयीन अवधि तक
2. निविदा / बोली खोलने की तिथि - 13.01.2026 समय 11.00 बजे से

अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत के राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइड www.uad.cg.gov.in में अवलोकन / डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर
जिला-बालोद (छ.ग.)

राशिफल

मेष – संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष – खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या – कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला – लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

वृश्चिक – संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर – आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ – क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मीन – किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 6091

बाएं से दाए-

1. छुट्टी,रजा-4
3. वध,आघात-4
5. दशानन-3
7. अनमोल,अनूठा-3
8. अनाथ,बेसहारा-3
10. खजूर-3
11. रहम करना-2,3
14. गहराई नापना-2,3
17. लगातार,सतत-5
20. संतुष्ट होना-2,3
23. बीच में,दौरान-3
24. खुश,आनंदित-3
25. शिक्षा-3
26. शोक-3
27. जांचना,परखना-4
28. धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2. मयखाना,मधुशाला-5
3. प्रेमकहानी-5
4. चापलूसी-4
6. नटना,वचन तोड़ना-4
7. फिजूल,व्यर्थ-3
9. अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12. गुजर करना-3
13. वेग,गति-3
15. खूबसूरत-3
16. पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17. गुजारिश,मांग-4
18. सुअर-3
19. गुस्सा होना-5
20. ममतापूर्ण-5
22. अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली -6090 का हल

सूडोकू नववाल - 6101

सरल

सूडोकू नववाल - 6100 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025
बिजनेस डेस्क

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। "पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तय सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है।

बिजनेस साइट

'मैथलीशरण गुप्त आवासीय परिसर में संधारण कार्यों का शुभारंभ

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण की कटोरा तालाब योजनांतर्गत शैलेन्द्र नगर स्थित मैथलीशरण गुप्त आवासीय परिसर में निवासियों की समस्याओं के निराकरण हेतु रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साहू द्वारा वार्ड की पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, आवासीय परिसर के निवासियों एवं प्राधिकरण के अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति में परिसर का संधारण एवं रख-रखाव कार्यों का शुभारंभ किया गया। प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साहू द्वारा जानकारी देते हुए आवासीय परिसर के निवासियों को अवगत कराया की संधारण कार्यों के अंतर्गत प्रथम चरण में सिवर पाइप लाइन एवं चेम्बर का नवनिर्माण तथा साफ-सफाई का कार्य कराया जायेगा। प्राधिकरण अध्यक्ष द्वारा आवासीय परिसर के निवासियों के मांग पर द्वितीय चरण में रंग-रोगन एवं अन्य कार्यों को शीघ्र कराये जाने हेतु प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिया गया तथा आवासीय परिसर के निवासियों को बकाया संधारण राशि, जलकर एवं भू–भाटक की राशि जमा करने तथा साथ ही समिति का गठन शीघ्र करने हेतु अपील की गई।

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

खबर संक्षेप

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे ड्रेपर

लंदन। चोटिल होने के कारण विंबलडन के बाद से केवल एक टेनिस मैच खेलने वाले जैक ड्रेपर अगले महीने होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भी वापसी नहीं कर पाएंगे। विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर काबिज ड्रेपर बायीं बांह की हड्डी में चोट लगने के कारण 2025 के सत्र में अधिकतर टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ब्रिटेन के इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर लिखा, 'दुर्भाग्य से मैंने और मेरी टीम ने इस साल ऑस्ट्रेलिया न जाने का फैसला किया है। यह बहुत मुश्किल फैसला था क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है।' उन्होंने कहा, 'मैं चोट से उबरने के अंतिम चरण में हूं लेकिन मुझे इतनी जल्दी पांच सेटों के टेनिस मैच में खेलने के लिए कोर्ट पर वापसी करना इस समय समझदारी भरा फैसला नहीं लगता।'

बांग्लोदश प्रीमियर लीग में हादसा, मैदान में कोच की मौत

ढाका। ढाका कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच महबूब अली जकी का निधन हो गया है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग में शनिवार को सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में राजशाही वॉरियर्स के खिलाफ ढाका के ओपनिंग मैच से कुछ देर पहले मैदान पर दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। यह घटना मैच शुरू होने से ठीक पहले हुई, जब टीम की तैयारियों के दौरान जकी अचानक बीमार पड़ गए और वह जमीन पर गिर गए। वेन्यू पर मौजूद मेडिकल स्टाफ ने तुरंत उनका इलाज किया। मैदान पर ही सीपीआर दिया गया,जिसके बाद उन्हें एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। जहां अधिकारियों ने कुछ ही देर बाद ढाका कैपिटल्स के तेज गेंदबाजी कोच को मृत घोषित कर दिया। वह 59 साल के थे।

आज से एचआईएल, खिताब पर होगी टीमों की नजर

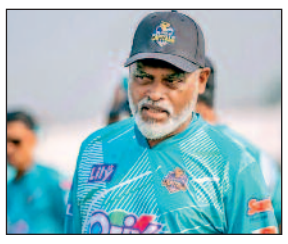

रांची। रांची रॉयल्स घरेलू दर्शकों के समर्थन का लाभ उठाकर रविवार से शुरू हो रही चार टीमों की महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में दबदबा कायम करने की कोशिश करेगी जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की नजरें खिताब अपने नाम करने पर लगी होंगी। मेजबान टीम पिछले सत्र की कुछ उथल-पुथल के बाद टूर्नामेंट में खेल रही है क्योंकि शुरूआती सत्र की विजेता ओडिशा वॉरियर्स (महिला टीम) ने पहले सत्र के बाद हटने का फैसला किया और उसके बाद उनकी जगह रांची रॉयल्स फ्रेंचाइजी ने ली। नई रांची रॉयल्स की टीम ने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों और मुख्य कोर को बरकरार रखते हुए दूसरे सत्र में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक नई पहचान के साथ शुरुआत की है।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर फेरा पानी

बॉक्सिंग डे टेस्ट : इंग्लैंड की 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत, 2 दिन के अंदर कंगारुओं को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच में 4 विकेट से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया में पिछले 18 मैच में जीत हासिल नहीं कर पाने का सिलसिला रोक दिया। इंग्लैंड श्रृंखला के पहले तीन टेस्ट मैच हार गया था, जिससे आस्ट्रेलिया ने केवल 11 दिन में एशेज अपने पास बरकरार रखी थी।

इंग्लैंड ने हालांकि चौथे टेस्ट मैच को दो दिन के अंदर जीतकर ऑस्ट्रेलिया की क्लीन स्वीप करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहला मैच दो दिन से जीता था। यह 129 वर्षों में पहला अवसर है जबकि किसी एक श्रृंखला के दो मैच दो दिन में समाप्त हो गए। इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले आखिरी बार 2010-11 की श्रृंखला में मैच जीता था। उसने तब यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। इसके बाद इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए लगभग 15 वर्षों में 18 टेस्ट मैचों में से 16 मैच हारे थे जबकि बाकी दो मैच ड्रॉ रहे।

एमसीजी पिच पर दो दिन में गिरे 36 विकेट

एमसीजी की पिच पर तेज गेंदबाजों की तूती बोली। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने मैच के छठे सत्र में ही जीत हासिल की। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की। पहले 10 ओवर में ही उसने बेन डकेट (34) और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजे गए ब्रायडन कार्स (06) के विकेट गंवाकर दो विकेट पर 70 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड ने जाक क्रॉली (37) और जैकब बेथेल (40) को आउट किया। इन दोनों ने हालांकि अहम योगदान दिया। क्रॉली ने डकेट के साथ पहले विकेट के लिए 51 और बेथेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 रन की महत्वपूर्ण साझेदारियां की। जो रूट (15) और स्टोक्स (02) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद जेमी स्मिथ (नाबाद 03) और हैरी ब्रूक (नाबाद 18) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह से इंग्लैंड ने चार जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल की।

इंग्लैंड ने 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबोया

पहली पारी में 152 रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी दूसरी पारी में 132 रन पर आउट हो गई। इस तरह से उसने इंग्लैंड के सामने 175 रन का लक्ष्य रखा। पहली पारी में 110 रन पर आउट होने वाले इंग्लैंड ने छह विकेट पर 178 रन बनाकर अपने हजारों धैर्यवान लेकिन वफादार 'बार्मी आर्मी' प्रशंसकों को उन्मादपूर्ण जश्न में डुबो दिया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'अब तक यह दौरा काफी कठिन रहा है। हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया वह शानदार था। हमने साहसिक खेल दिखाया और अपने काम को अंजाम तक पहुंचाया। जब मैं आउट हुआ तब हम लक्ष्य से 10 रन पीछे थे। मैं जानता था कि हम लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। जीत के साथ अंत करना सुखद अहसास है।'

ऑस्ट्रेलिया के 3 बल्लेबाज पहुंच सके दोहरे अंक तक

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क, झाय रिचर्डसन और बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी बिना किसी नुकसान के चार रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसके केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंचे। इनमें सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (46), स्मिथ (नाबाद 24) और कैमरन ग्रीन (19) शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में सस्ते में आउट करने में कार्स ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 34 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्टोक्स ने 24 रन देकर तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने नाइटवॉचमैन बोलैंड (06) का विकेट जल्दी खो दिया। इसके बाद जैक वेदरल्ड (05) और मार्नस लाबुशेन (08) भी आयाराम गयाराम ही साबित हुए। हेड के आउट होने के बाद अगले दो ओवरों में उस्मान ख्वाजा (00) और एलेक्स कैरी (04) भी पवेलियन लौट गए, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 82 रन से छह विकेट पर 86 रन हो गया। लंच के बाद स्टोक्स ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने दूसरी स्लिप पर कैच दिया। इसके बाद कार्स ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटने में देर नहीं लगाई।

रूट ने लारा को छोड़ा पीछे

जो रूट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 501वीं पारी में पूरे किए और सबसे तेज 22 हजार रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए, जहां पहले ब्रायन लारा थे। लारा अब चौथे नंबर पर आ गए, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 22 हजार रन 511 पारियों में पूरे किए थे। इस लिस्ट में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने इस आंकड़े को 462 पारियों में छूआ था जबकि दूसरे नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने ऐसा 493वें पारी में किया था।

मेलबर्न में फेंकी गई कुल 852 गेंदें

मेलबर्न में खेला गया एशेज टेस्ट दो दिन में खत्म हुआ। इतिहास में सातवीं बार एशेज का कोई मैच दो दिन के अंदर खत्म हुआ। मेलबर्न में कुल 852 गेंदें फेंकी गई और गेंदों में हिसाब से यह चौथा सबसे छोटा एशेज टेस्ट बन गया है। मेलबर्न में चारों पारियों में कोई खिलाड़ी फिफ्टी तक नहीं लगा गया और एक भी फिफ्टी के बिना इस मैच में 500 से ज्यादा बने। ऐसा छठी बार हुआ है। यह एशेज में 150 से ज़्यादा के सफल चेज़ में सबसे ज़्यादा रन-रेट वाला दूसरा मैच बन गया है।

फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप

कार्लसन के साथ संयुक्त बढ़त पर अर्जुन एरिगैसी और गुकेश

एजेंसी ▶▶| दोहा

क्लासिकल प्रारुप के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन के साथ फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप के पहले दिन के पहले पांच दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर हैं। इस तिकड़ी ने मैक्सिम वाचियर लाग्रेव और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के साथ 4.5 अंकों के साथ पहले दिन शीर्ष स्थान साझा किया।

कार्लसन शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने चारों बाजी आसानी से जीती लेकिन पांचवें और अंतिम दौर में एरिगैसी ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों ने 4.5 अंकों के साथ दिन का समापन किया।

18 वर्षीय मुर्ज़िन का पहला दिन मुश्किल भरा

गुकेश ने पहले दौर में ड्रॉ से शुरुआत करते हुए शानदार वापसी की। इसके बाद उन्होंने चार जीत हासिल कर शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई। विश्व रैपिड चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्ज़िन का पहला दिन काफी मुश्किल भरा रहा और वे सिर्फ दो अंक ही हासिल कर पाए। धीमी शुरुआत करने वाले खिलाड़ियों में आर प्रज्ञाननंदा भी शामिल थे। उन्होंने पहले दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन उसके बाद दो मैच ड्रॉ रहे। चौथे दौर में उन्हें काले मोहरों से खेलते हुए 150 से अधिक अंकों से कम रेटिंग वाले लेवान पैंटसुलाइया से हार का सामना करना पड़ा। महिला रैपिड चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी ने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ तीन अंक हासिल किए।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का ऐलान, कप्तान होंगे म्हात्रे

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आयुष म्हात्रे को 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। हालांकि कलाई में चोट के कारण म्हात्रे और विहान मल्होत्रा विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में

हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे पर मैच 3, 5 और 7 जनवरी को बेनोनी में खेले जाएंगे। आरोन जॉर्ज को उपकप्तान बनाया गया है। म्हात्रे और मल्होत्रा अपनी चोटों के उपचार और प्रबंधन के लिए बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिपोर्ट करेंगे, जिसके बाद वे भारतीय टीम से जुड़ेंगे। सूर्यवंशी और जॉर्ज को भी अंडर-19 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है।

अंडर-19 विश्व कप के लिए
आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, आरोन जॉर्ज, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्भव मोहन।

दक्षिण आफ्रीका दौरे के लिए
वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आरोन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, मोहम्मद इनान, हेनिल पटेल, डी दीपेश, किशन कुमार सिंह, उद्भव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

श्रीलंका पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए उतरेगी भारतीय महिला टीम

तिरुवनंतपुरम। पहले तीन मैच जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर चुकी भारतीय महिला टीम रविवार 28 दिसंबर को श्रीलंका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पांच मैचों की इस श्रृंखला में अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। श्रीलंका की टीम अभी तक उसे किसी भी तरह की चुनौती नहीं दे पाई है। भारत श्रृंखला में 3-0 से आगे है। भारत ने पहले तीन मैच में लक्ष्य का पीछा किया और उसके दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने किसी भी मैच में 14.4 ओवर से अधिक बल्लेबाजी नहीं की है, तीन से अधिक विकेट नहीं गंवाए हैं, और 129 रन से अधिक के लक्ष्य का सामना नहीं किया है। इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से भारतीय गेंदबाजों को जाता है। अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा ने दो मैचों में चार विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सिंह ने ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक ही मैच में चार विकेट हासिल किए।

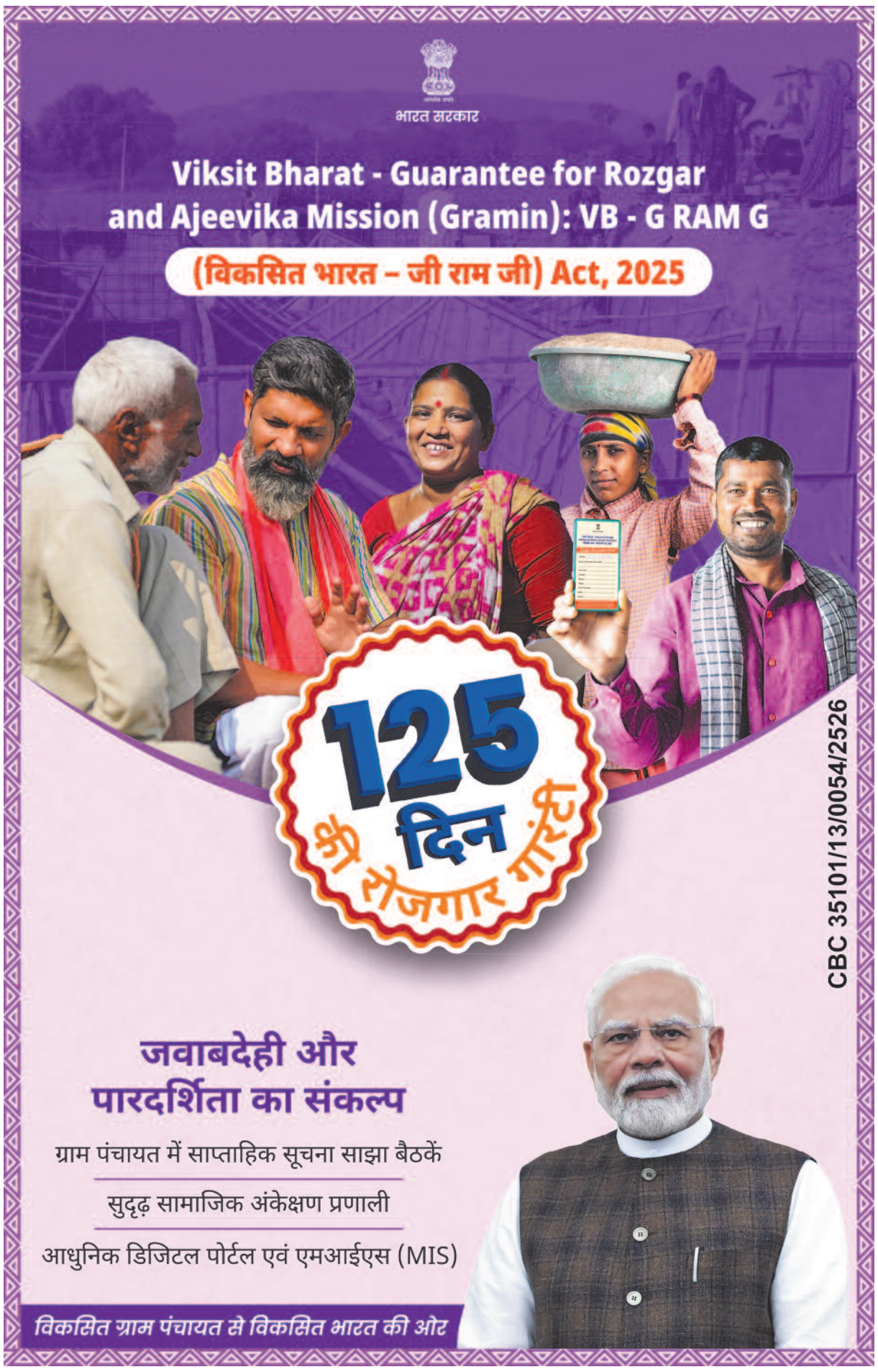

यादें 2025 : राष्ट्रमंडल में पदक जीतने में हासिल की कामयाबी

मीराबाई की प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा भारतीय भारोत्तोलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलन एक बार फिर मीराबाई चानू की अटूट प्रतिभा के इर्द-गिर्द घूमता रहा, जिनका विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक डोपिंग संबंधी चिंताओं और सीनियर स्तर पर अन्य खिलाड़ियों की निराशाजनक प्रदर्शन के कारण वर्ष 2025 में इस खेल के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी। एक साल से अधिक समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए मीराबाई ने स्वदेश में आयोजित राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता, जिससे खेल की भारत में ध्वजवाहक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि हुई।

एशियाई चैंपियनशिप में निरुपमा देवी ने हासिल किया चौथा स्थान

चानू ने 199 किलोग्राम वजन उठाकर जीता रजत

मीराबाई ने नॉर्वे के फोर्डे में खेली गई प्रतियोगिता में 199 किलोग्राम के कुल भार उठाकर रजत पदक हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 84 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम वजन उठाया। चानू के अलावा इस सत्र में अन्य सीनियर भारोत्तोलकों ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। हालांकि भारतीय खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कमजोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, लेकिन उनका प्रदर्शन विश्व स्तरीय मानकों के करीब भी नहीं पहुंच पाया। एशियाई चैंपियनशिप में भी निरुपमा देवी ने महिलाओं के 64 किलोग्राम वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया।

नए साल के स्वागत में कहीं कूदते हैं समुद्र में तो कहीं मेज के नीचे बैठकर खाते हैं अंगूर

दुनियाभर के अनेक देशों ने नए साल यानी 2026 का वेलकम कर लिया है, वहीं भारत में भी नए साल की शुरुआत होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में न्यू ईयर को लेकर खूब उत्साह और जोश देखने को मिल रहा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनियाभर में नए साल का जश्न अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। ऐसी अनोखी परंपराएं जिनके बारे में आपने पहले कभी नहीं सुना होगा।

मेज के नीचे बैठकर 12 अंगूर खाना

इन दिनों टिक-टॉक पर एक परंपरा की खूब चर्चा की जा रही है, जिसमें मेज के नीचे बैठकर 12 अंगूर खाना शामिल होता है। इस रिवाज की शुरुआत स्पेन में हुई थी। यहां आधी रात के हर पहर में एक अंगूर खाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से प्यार मिल सकता है। इसको 'लास डोसे उवस डे ला सुएर्टे' या 'भाग्य के 12 अंगूर' कहा जाता है और सभी अंगूर साल के 12 महीनों को दर्शाते हैं।

सफेद कपड़े पहनकर समुद्र में छलांग लगाना

नए साल पर कई देशों में सफेद कपड़े पहनने की परंपरा होती है, जिसकी शुरुआत अफ्रीका से हुई थी। हालांकि, ब्राजील में इस रिवाज के साथ-साथ समुद्र में कूदना भी शामिल होता है। नए साल की रात को समुद्र की देवी 'लेमांजा' को मनाने के लिए 'फेस्टा डे लेमांजा' मनाया जाता है। यहां के लोग आधी रात को सफेद कपड़े पहनकर समुद्र में 7 बार छलांग लगाते हैं। हर छलांग के पीछे एक खास इच्छा छुपी होती है।

कई नाकों वाले आदमी को ढूंढना

उत्तरी स्पेन के कैटेलोनिया क्षेत्र में साल के आखिरी दिन एक खास किरदार दिखाई देता है। इस किरदार का नाम 'एल'होम डेल्स नैसोस' या 'कई नाकों वाला आदमी' होता है। कहा जाता है कि उसके पास उतनी ही नाकें होती हैं, जितने साल में दिन बचे होते हैं। अगर आप उसे ढूंढ पाते हैं, तो वह आपकी इच्छाएं पूरी कर सकता है। नए साल पर बच्चों को उसे खोजने के लिए प्रेरित किया जाता है।

दुनिया के साथ नया साल नहीं मनाता चीन

नव वर्ष की धूम दुनियाभर में देखने को मिलती है, लेकिन एक देश ऐसा भी है, जहां दुनिया के साथ नया साल 1 जनवरी को नहीं मनाया जाता है। जी हां, वह देश है भारत का पड़ोसी देश चीन। चीन दुनिया में एक ऐसा देश है, जहां नए साल का सेलिब्रेशन अलग दिन मनाते हैं। उन देशों में से है जो सोलर कैलेंडर के बदले लूनीसोलर कैलेंडर के हिसाब से चलता है। **चीन में कब मनाया जाता है न्यू ईयर :** आपको बता दें कि चीन में 12वें महीने के 30वें दिन न्यू ईयर सेलिब्रेट किया जाता है। इसे चीन में दानियन संशी कहा जाता है। इस साल चीन में 29 जनवरी को नया साल मनाया जाएगा। यहां नए साल का जश्न मनाने की अनोखी परंपरा है। इस दौरान लोग एक-दूसरे को लाल रंग के कार्ड देते हैं। साथ ही पूर्वजों की पूजा और परिवार के साथ डिनर, ड्रैगन और लॉयन डांस का आयोजन भी किया जाता है।

स्मारक

अनोखी कहानियों की वजह से भी खास जगह रखते

राजा ने ही नहीं महिलाओं ने भी बनवाए हैं खूबसूरत स्मारक

भारत का गौरवशाली इतिहास इसके प्राचीन मंदिरों, किलों, महलों और औपनिवेशिक स्मारकों में खूबसूरती से झलकता है। देश में कई ऐसे ऐतिहासिक स्थल हैं, जो न सिर्फ अपनी कला और स्थापत्य के लिए मशहूर हैं, बल्कि अपनी अनोखी कहानियों की वजह से भी खास जगह रखते हैं। इन स्मारकों में से अधिकाशं को राजा-महाराजाओं ने बनवाया है लेकिन इन स्मारकों में कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें महिलाओं ने बनवाया,चाहे वे रानियां हों या बेगमें हों या फिर दानवीर महिलाएं। उनकी दूरदर्शिता, शक्ति और कला-प्रेम इन इमारतों में आज भी दिखाई देता है। हुमायूं का मकबरा हो, रानी की वाव या मिर्जन किला. इन सभी ने यह साबित किया कि महिलाएं हर युग में सामर्थ्य और सौंदर्य की मिसाल रही हैं।

कर्नाटक का मिर्जन किला

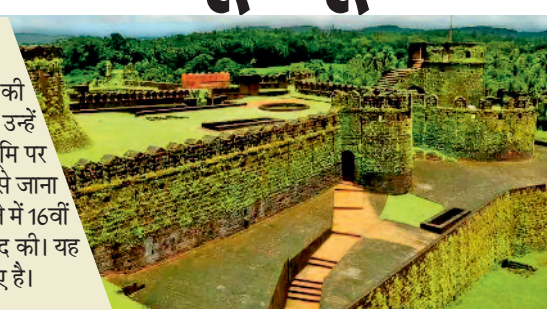

कर्नाटक का मिर्जन किला गेरसोप्पा की रानी चेन्नाभैरदेवी द्वारा बनवाया गया था उन्हें बेहतरीन काली मिर्च उत्पादन वाली भूमि पर शासन के कारण 'पेपर क्वीन' के नाम से जाना जाता था। कई कारीगरों ने शरण के बदले में 16वीं शताब्दी में इस किले के निर्माण में मदद की। यह किला आज भी अपनी भव्यता बनाए हुए है।

इतिमाद-उद-दौला मकबरा, आगरा

आगरा का मशहूर इतिमाद-उद-दौला मकबरा मुगल इतिहास में खास दर्जा रखता है। महारानी नूरजहां ने इसे 1622–28 के बीच अपने पिता मीर गयास बेग की याद में बनवाया था। सफेद संगमरमर से बना यह देश का पहला ऐसा मकबरा माना जाता है, जिसने बाद में ताज महल की प्रेरणा का काम किया। इसे 'बेबी ताज' भी कहा जाता है।

मुगल वास्तुकला, हुमायूं का मकबरा

दिल्ली स्थित हुमायूं का मकबरा भारत की शुरुआती मुगल वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे 1565–72 के बीच हुमायूं की विधवा हाजी बेगम ने बनवाया था। भारतीय मोटिफ्स और फारसी शैली के मेल से बना यह मकबरा न केवल स्थापत्य कला की मिसाल है, बल्कि यहां मुगल वंश के कई शासकों की कब्रें भी मौजूद हैं।

जौनपुर की लाल दरवाजा मस्जिद

जौनपुर स्थित लाल दरवाजा मस्जिद बीबी राजे ने अपने महल के पास संत सैय्यद अली दाऊद कुतुबुद्दीन के सम्मान में बनवाई थी। 1447 में बनाए गए स्मारकों में एक मदरसा भी शामिल था, जिसे आज जामिया हुसैनिया कहा जाता है। उन्होंने अपने शासनकाल में लड़कियों के लिए पहला स्कूल बनवाकर सामाजिक बदलाव की शुरुआत की।

समंदर से निकला 2000 साल पुराना रहस्य, चौंक गए वैज्ञानिक, 115 फीट लंबा मनोरंजन का अड्डा

अलेक्जेंड्रिया। कई बार परातत्व वैज्ञानिकों को खोज करते-करते कुछ ऐसा मिल जाता है, जिसकी उन्हें उम्मीद नहीं होती है। जब ऐसी चीजें खुद ब खुद सामने आ जाती हैं, तो इतिहासकार भी चौंक जाते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ, जब मिस्र के अलेक्जेंड्रिया शहर के प्राचीन बंदरगाह में पुरातत्वविदों को एक बड़ी और अनोखी खोज मिली है। यूरोपीय अंडरवॉटर आर्कियोलॉजी संस्थान की टीम ने समुद्र के भीतर खुदाई के दौरान करीब 2000 साल पुराना रहस्य ढूंढ निकाला।

115 फीट लंबी, 23 फीट चौड़ी शाही मनोरंजन नौका : ये कुछ और नहीं बल्कि पुरानी और शाही मनोरंजन नौका है। यह नाव अलेक्जेंड्रिया के पुराने मुख्य बंदरगाह पोर्टस मैग्नस के अंदर स्थित एंटीरोडोस द्वीप के पास मिली। सबसे हैरानी की बात यह है कि इतनी पुरानी होने के बावजूद यह नाव बेहद अच्छी हालत में मिली है। पुरातत्वविदों को इसके लगभग 90 फीट लंबे लकड़ी के हिस्से सुरक्षित मिले हैं, जिससे अंदाजा लगाया गया है कि पूरी नाव करीब 115 फीट लंबी और 23 फीट चौड़ी रही होगी।

धार्मिक एंगल से भी लगाए जा रहे कयास

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस नाव का संबंध एंटीरोडोस द्वीप पर स्थित देवी आइसिस के मंदिर से हो सकता है। आशंका है कि करीब 50 ईसवी में मंदिर के नष्ट होने के दौरान यह नाव भी डूब गई। कुछ विद्वानों का मानना है कि यह नाव धार्मिक जुलूसों में देवी आइसिस को ले जाने वाली प्रतीकात्मक नौका भी हो सकती है।

रहस्यमयी नाव में छिपे हैं कई राज

विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाव एक थालामागोस थी, यानि ऐसी आलीशान नाव जिसका इस्तेमाल रोमन काल में अमीर लोग सैर-सपाटे, दावतों या धार्मिक और शाही जुलूसों के लिए करते थे। ऐसी नावों में खास मेहमानों के लिए ढका हुआ भोजन कक्ष भी होता था। पुरातत्व विभाग के निदेशक फ्रैंक गोडियो के मुताबिक यह नाव हो सकता है कि पहली सदी ईस्वी में बनाई गई थी, जब मिस्र रोमन साम्राज्य के अधीन आया था। इसकी चौड़ी बनावट और सपाट तला इस बात का संकेत है कि इसे अलेक्जेंड्रिया की शांत नहरों में आरामदेह यात्रा के लिए बनाया गया था। यह नाव चप्पुओं से चलाई जाती थी और इसे बेहद सुंदर ढंग से सजाया गया होगा।

माइकल जॉर्डन के जूते 6 करोड़ में नीलाम अन्य दिग्गजों की वस्तुएं भी बिकीं

सोथबी। अपने प्रशंसकों द्वारा प्यार से ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स बुलाए जाने वाले पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके खेल के दौरान पहने गए नाइकी के एयर जॉर्डन जूतों की नीलामी हुई। इस नीलामी में केवल जॉर्डन ही नहीं, बल्कि स्वर्गीय दिग्गज खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की भी वस्तुएं नीलाम की गई हैं।

जॉर्डन ने कॅरियर की शुरुआत में पहने थे

नीलाम होने वाले नाइके एयर शिप्स जूते जॉर्डन के करियर के शुरूआती दिनों के हैं। उन्होंने इन्हें 2 दिसंबर, 1984 में पहना था, जब शिकागो बुल्स और लाकर्स का मुकाबला हुआ था। इन्हें सोथबी

नामक नीलामीघर ने नीलाम करवाया है। यह 6 करोड़ से भी ज्यादा कीमत पर बिके हैं। इन जूतों को फोटो मैच करके इनकी प्रामाणिकता की जांच की गई है और इन पर जॉर्डन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं।

कोबे की जर्सी ने भी की खूब कमाई

कोबे के निधन के बाद भी वह लोगों के दिलों में जिंदा हैं। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उनकी जर्सी भी इस नीलामी का मुख्य आकर्षण रही। यह जर्सी उन्होंने 20 और 27 अप्रैल, 2010 को वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस क्वार्टर फाइनल के खेलों के दौरान पहनी थी। पहले उन्होंने इसे दूसरे खेल के दौरान पहना था, फिर 5वें के दौरान कैरी किया था। यह 2.52 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेची गई है।

हस्ताक्षरित बास्केटबॉल रही मुख्य आकर्षण

इस नीलामी के दौरान एक बास्केटबॉल भी बेची गई है, जिसे बेहद खास माना जाता है। साल 2000 में **NBA** फाइनल के छठे खेल के दौरान इसे इस्तेमाल किया गया था। इस पर लेकर्स टीम के कुल 12 खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें कोबे भी शामिल थे। सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर आज भी सुरक्षित रूप से गेंद पर मौजूद हैं और फोटो मैच करके इसकी प्रमाणिकता भी जांची गई है। यह बास्केटबॉल 4.58 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com